P372

इंदौर, बुधवार 08 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 216
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ, दौड़ते हुए बाइक सवार पर झपट्टा मारा

पेज-2

विदेश में रहना है तो संवाद को बेहतर बनाना होगा- सना सईद

पेज-5

सुबह से रात तक रुक-रुक कर चला बारिश का दौर

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- नई दिल्ली : एफबीआई ने 'ऑपरेशन हार्डबॉल' के तहत लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की
- नाटिंघम : हमें खेल को बेहतर ढंग से समझने की जरुरत है - गौतम गंभीर
- उत्तरकाशी : यमुनोत्री राजमार्ग पर भूस्खलन से चारधाम यात्रा प्रभावित
- वैंकूवर (कनाडा) : स्विट्जरलैंड ने कोलंबिया को शूटआउट में हराकर किया विश्वकप के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश
- लंदन : सिनर और जोकोविच के बीच होगी विंबलडन के सेमीफाइनल में भिड़ंत
- तुर्की को एफ-35 विमान बेचने की ट्रंप की इच्छा का इजरायल और अमेरिकी संसद ने किया विरोध
- तीसरे टैंकर पर ईरानी हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ा तनाव, जीसीसी ने की निंदा
- पाकिस्तान में उच्च शिक्षा के लिए 3,800 से अधिक बंगलादेशी छात्रों ने किया आवेदन
- पश्चिमी चम्पारण :75.3 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार
- राम मंदिर चढ़ावा चोरी मुद्दे पर ट्रस्ट और रामभक्तों से माफी मांगे सपा, आप और कांग्रेस : बंसल
- खरगे, राहुल ने वर्षाजनित घटनाओं पर जताया दु:ख

जल्द मिलेगी इंदौर को डबल डेकर फ्लाईओवर की सौगात

दो लाख वाहनों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में बन रहा प्रदेश का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। शहर के व्यस्त लवकुश चौराहे पर करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के एक हिस्से का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

इस हिस्से की लोड टेस्टिंग भी सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरे हिस्से की स्लैब डालने का काम अंतिम चरण में है। यदि मौसम ने साथ दिया तो सितंबर तक यह फ्लाईओवर शहरवासियों के लिए खोल दिया जाएगा। फ्लाईओवर शुरू होने के बाद लवकुश चौराहे पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अनुमान है कि इसके जरिए रोजाना दो लाख से अधिक वाहनों की आवाजाही सुगम होगी, जिससे शहर के यातायात पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

कैबिनेट से राजनाथ सिंह की विदाई लगभग तय!

दोनों बेटे बने वजह, फेरबदल के पीछे दो फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी) ● मोदी कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी लगभग पूरी है। 20 जुलाई से मानसून सत्र शुरू हो रहा। सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले कभी भी फेरबदल की सूचना आ सकती है। इसमें सबसे अहम नाम राजनाथ सिंह का है। सोर्स बताते हैं कि उनकी विदाई लगभग तय है और इसके लिए वो तैयार भी हैं।

सूत्रों के मुताबिक, निर्मला सीतारमण, हरदीप सिंह पुरी, पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा से भी मंत्री पद लिया जा सकता है। मंत्रालय में मौजूद हमारे सूत्रों ने बदलाव का आधार और इसकी वजहें भी बताईं। गौरतलब है कि पीएम मोदी अपने कैबिनेट में युवा चेहरों को शामिल करना चाहते हैं। इसी तरह भाजपा संगठन में भी युवाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अब संगठन में भी औसत उम्र बीजेपी अध्यक्ष की उम्र के आसपास यानी 46 साल होगी। 2-4 साल कम-ज्यादा हो सकती है, लेकिन 65

साल से ज्यादा उम्र के लोगों को बाहर जाना ही पड़ेगा। अपवाद ही बचेंगे। हालांकि, ये नियम पीएम पद के लिए लागू नहीं होगा। पिछले दो फेरबदल में कैबिनेट के जो चेहरे नहीं बदले, वो इस बार जरूर बदलेंगे।

जिन पार्टियों से टूटकर लोग बीजेपी में आए, उन्हें भी कैबिनेट में जगह देनी है। इसमें पंजाब से टूटकर आने वाले आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद शामिल हैं। इनके अलावा शिवसेना (उद्धव गुट) से टूटकर आए सांसद और पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस के सांसद भी राजग के सपोर्ट में है। उन्हें भी कैबिनेट में शामिल करने की तैयारी है।

इसके पीछे कोई नाराजगी नहीं, बल्कि दोनों बेटों का सक्रिय राजनीति में होना है। राजनाथ के छोटे बेटे नीरज इस बार यूपी बीजेपी में उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। हालांकि, वे यूपी में पिछले करीब 5 साल से बिना किसी पद के सक्रिय हैं। उनकी सक्रियता से पार्टी के कई पदाधिकारी असहज भी थे। इसे लेकर कई बार सवाल भी उठा।

'बड़े बेटे पंकज सिंह 2002 से सक्रिय राजनीति में हैं। वे 2012 में यूपी बीजेपी में महासचिव बने, जिसके विरोध में 3 प्रदेश सचिवों ने इस्तीफा भी दिया था। अभी वे नोएडा से विधायक भी हैं। राजनाथ अगर ना हटे, तो परिवारवाद का सबसे अच्छा उदाहरण पार्टी के अंदर और बाहर दोनों जगह होगा।'

तीन दिन में ही अंतर्ध्यान हुए बाबा बर्फानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अमरनाथ यात्रा शुरू होने के महज तीन दिन बाद ही बाबा बर्फानी के हिमलिंग का स्वरूप तेजी से बदल जाने और उसके लगभग अंतध्यान होने की खबर से श्रद्धालुओं में निराशा छा गई है। कठिन पर्वतीय रास्तों, लंबी पैदल यात्रा और तमाम परेशानियां झेलकर गुफा तक पहुंचे यात्रियों को पूर्ण स्वरूप में बाबा बर्फानी के दर्शन नहीं हो सके, जिससे उनमें मायूसी देखी जा रही है। इंदौर से अमरनाथ यात्रा पर पहुंचे श्रद्धालु अरुण सिसोदिया और उनके साथियों ने बताया कि जब वे गुफा तक पहुंचे तो उन्हें हिमलिंग के दर्शन नहीं हुए। उनका कहना है कि वर्षों बाद ऐसी स्थिति देखने को मिली है, जब यात्रा शुरू होने के केवल तीन दिन के भीतर ही बाबा बर्फानी का स्वरूप काफी हद तक समाप्त हो गया।

वक्फ बोर्ड में हिंदू सदस्य को जगह कांग्रेस विधायक आरिफ जाएंगे कोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में दो हिंदू सदस्यों को शामिल करने पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया है। मध्य प्रदेश सरकार ने राजपत्र में अधिसूचना जारी करके राज्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन किया। इस नए बोर्ड में 10 सदस्य हैं, जिनमें पहली बार दो हिंदू सदस्य मनोज मालपानी (इंदौर) और अनिमेष भार्गव (राघौगढ़) शामिल किए गए हैं।

बोर्ड के अध्यक्ष डा सनव्वर पटेल को फिर से नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश वक्फ (संशोधन) अधिनियम,

2025 के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इसके बाद राज्य में सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने इस फैसले का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। आरिफ मसूद ने कहा कि यह गलत है, मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, जब पूरी प्रक्रिया चल रही है, तो इतनी जल्दबाजी क्यों?' वहीं भाजपा ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कांग्रेस पर पलटवार करते हुए हिंदू विरोधी बताया है। देशभर में वक्फ बोर्ड को लेकर मचे घमासान के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने नई वक्फ बोर्ड कमेटी में दो हिंदू सदस्यों को शामिल किया है। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में दो हिंदू सदस्यों को शामिल करने पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह गलत है, मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, जब पूरी प्रक्रिया चल रही है, तो इतनी जल्दबाजी क्यों?' प्रदेश सरकार ने 4 जुलाई 2026 को अधिसूचना जारी करते हुए मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन किया है। नए 10 सदस्यीय वक्फ बोर्ड में पहली बार दो गैर-मुसलिम (हिंदू) सदस्यों को शामिल किया गया है। नए बोर्ड में इंदौर के मनोज मालपानी और गुना के अनिमेष भार्गव को सदस्य बनाया गया है।

ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा अमेरिकी अटैक; तेहरान ने भी दागीं मिसाइलें

वाशिंगटन (एजेंसी) ● मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर तेजी से बढ़ गया है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई हमले करते हुए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास मौजूद कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई करीब दस दिन पहले किए गए हमलों की तुलना में कहीं अधिक व्यापक और शक्तिशाली रही। वहीं ईरान ने भी अमेरिकी हमलों के जवाब में अमेरिकी वॉरशिप पर मिसाइलें और ड्रोन हमले किए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक अमेरिकी सैन्य अधिकारी के हवाले से बताया है कि ईरान पर अमेरिकी हवाई हमले कुछ समय तक जारी रहेंगे और कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएंगे।

देवी अहिल्या कैंसर हॉस्पिटल पर लगे गंभीर आरोप

बिना रजिस्ट्रेशन 10 सालों से संचालित अवैध कैंसर अस्पताल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहे एक कैंसर अस्पताल को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में की गई शिकायत में चितावद स्थित देवी अहिल्या कैंसर हॉस्पिटल पर पिछले करीब 10 वर्षों से अवैध रूप से संचालित होने के आरोप लगाए गए हैं।

शिकायतकर्ता एडवोकेट चर्चित शास्त्री ने आरोप लगाया है कि अस्पताल एक तीन मंजिला अवैध भवन में संचालित हो रहा है और इसके संचालक अजय हार्डिया के पास डॉक्टर की डिग्री तक नहीं है। शिकायत में दावा किया गया है कि अस्पताल में कैंसर मरीजों से प्रतिदिन हजारों रुपए बेड शुल्क वसूला जा रहा है और बीमारी के नाम पर लोगों को ठगा जा रहा है।

शिकायत के अनुसार सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी में सीएमएचओ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारीकार्यालय ने बताया कि इस नाम से कोई अस्पताल रजिस्ट्रेशन नहीं है। इसके बावजूद अस्पताल का संचालन लगातार जारी रहने पर सवाल खड़े किए गए हैं।

हरियाली और रोमांचक सफर का यह घाट बनेगा यादों का हिस्सा...

इंदौर ● भेरूघाट का यह प्राकृतिक नजारा और रोमांचक मोड़ अब यादों में रह जाएगा। घाट पर लगने वाले ट्रैफिक जाम को देखते हुए अब यहां पर इस घाट को खत्म कर ढलान वाले रास्तों की जगह पुल बनाया जा रहा है। इस घाट के हिस्से में अब टनलों के जरिए वाहनों को निकाला जाएगा।

प्रदेश के कई जिलों में दफ्तर से स्कूल लौटेंगे 213 शिक्षक

विधायक के पीए से लेकर कलेक्टोरेट के बाबू के रूप में कर रहे थे काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्षों से विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों और जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों में संलग्न (अटैच) शिक्षकों को वापस स्कूलों में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने 16 जिलों के 213 शिक्षकों का अटैचमेंट समाप्त करते हुए उन्हें तत्काल अपने मूल विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश जारी किए हैं। कई बार विभाग ने आदेश जारी किए, लेकिन कार्रवाई कभी पूरी नहीं हुई।

विधायक और प्रशासनिक कार्यालयों में थे पदस्थ

समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई शिक्षक विधायक कार्यालयों में निजी सहायक (पीए) के रूप में कार्य कर रहे थे। वहीं कुछ शिक्षक कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, एसडीएम कार्यालय, जिला निर्वाचन कार्यालय, राजस्व विभाग और शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों में लंबे समय से तैनात थे। इससे कई स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता प्रभावित हो रही थी।

बड़ी संख्या में शिक्षक वर्षों से स्कूलों के बजाय विभिन्न कार्यालयों में सेवाएं दे रहे थे। इसके बाद विभाग ने सभी मामलों की समीक्षा कर अटैचमेंट समाप्त करने का फैसला लिया। डीपीआई ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अटैचमेंट समाप्त किए गए सभी शिक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त कर उनके मूल विद्यालयों में भेजा जाए। साथ ही इसकी जानकारी संचालनालय को उपलब्ध कराई जाए। विभाग का मानना है कि शिक्षकों की स्कूलों में वापसी से विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण का लाभ मिलेगा और शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

वर्षों से स्कूलों से दूर थे शिक्षक

कुछ शिक्षक एक दशक से भी अधिक समय से विद्यालयों से बाहर कार्यरत थे। भोपाल के दो सहायक शिक्षक क्रमशः वर्ष 2008 और 2015 से मंत्रालय में अटैच बताए गए हैं। इसके अलावा कई शिक्षकों की सेवाएं विधायक कार्यालयों, पाठ्यपुस्तक निगम और अन्य संस्थानों में ली जा रही थीं।

भोपाल में ई-20 पेट्रोल वाले हल्ले में बैठ गया पुरानी कारों का बाजार

50% तक गिर गई बिक्री, अब स्क्रैप का खतरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● बीस प्रतिशत एथेनाल मिले पेट्रोल से पुरानी गाड़ियों के माइलेज, क्षमता आदि में गिरावट का शोर तेज होता जा रहा है। सरकार ने भी माना कि इस ब्लेंडिंग से माइलेज में गिरावट तो आई है।

इस हल्ले की वजह से पुरानी कारों का बाजार में 50 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। भोपाल में भी पुराने वाहनों की खरीद फरोख्त का बड़ा बाजार है। पुरानी

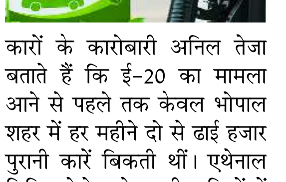

कारों के कारोबारी अनिल तेजा बताते हैं कि ई-20 का मामला आने से पहले तक केवल भोपाल शहर में हर महीने दो से ढाई हजार पुरानी कारें बिकती थीं। एथेनाल मिश्रित पेट्रोल से पुरानी गाड़ियों में आ रही दिक्कतों की वजह से ग्राहक अब इन्हें लेने से बच रहे हैं। पिछले एक-दो महीने से हर महीने मुश्किल से एक से डेढ़ हजार कारें बिक पा रही हैं। कार डीलर जीतेश दीनानी का कहना है कि कुछ पुराने वाहनों में इथेनाल मिश्रित पेट्रोल भरवाने से इंजन क्षमता कम होने की शिकायत है। मैकेनिक बताते हैं कि फ्यूल पंप भी खराब हो रहे हैं। 2023 के बाद के कार मॉडल में ये शिकायतें नहीं है। 2023 के बाद के माडल में समस्या नहीं है, लेकिन ऐसी कारें कम ही उपलब्ध हैं।

न्यूज ब्रीफ

'ऑनलाइन मैट्रिमोनी मीट 2026' का आयोजन 9 अगस्त को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • समग्र जैन समाज के शिक्षित एवं योग्य युवक-युवतियों को उपयुक्त जीवनसाथी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अखिल भारतीय श्वेतांबर जैन महिला संघ (केंद्रीय इकाई) द्वारा एक बार फिर 'Online Jain Matrimony Meet 2026' का आयोजन रविवार, 9 अगस्त 2026 को प्रात: 9:00 बजे से Zoom माध्यम पर किया जा रहा है। यह ऑनलाइन मैट्रिमोनी मीट विशेष रूप से अविवाहित उच्च शिक्षित प्रोफेशनल , उद्यमी, स्टार्टअप उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जा रही है, जिससे देश-विदेश के योग्य जैन युवक-युवतियाँ एक ही मंच पर जुड़ सकें।

कम्पेल एवं कनाड़िया अस्पताल निर्माण को गति देने पर हुई चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज भोपाल में सौजन्य भेंट कर इंदौर जिले की सांवेर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कम्पेल (पिवडाय) एवं कनाड़िया में निर्माणाधीन अस्पतालों के कार्यों को शीघ्र गति प्रदान करने तथा इनके लिए अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृति उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। मंत्री सिलावट ने कहा कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी एवं स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकताओं को देखते हुए इन अस्पतालों का समयबद्ध निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने एवं आवश्यक अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने का आग्रह किया, जिससे आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

दृष्टिहीन बच्चों के लिए साक्षरता शिविर का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं संरक्षक, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर न्यायमूर्ति विवेक रुसिया एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इन्दौर अजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दृष्टि बाधित समुदाय के बच्चों तक अवसर की समानता, समान अधिकार एवं न्याय तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने एवं दिव्यांगजनों को प्राप्त सुविधाआ के अवलोकन, विधिक अधिकारों से अवगत कराने तथा उनकी दिनचर्या को जानने के उद्देश्य से म.प्र. दृष्टिहीन कल्याण संघ द्वारा संचालित हेलनकेलर शिक्षा अकादमी हायर सेकण्डरी स्कूल इन्दौर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सुमन श्रीवास्तव ने कहा कि दृष्टि बाधित समुदाय के बच्चों सहित प्रत्येक दिव्यांगजन को सम्मान, अवसर की समानता तथा न्याय तक निर्बाध पहुंच उपलब्ध कराना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ, दौड़ते हुए बाइक सवार पर झपट्टा मारा, कॉलोनियों में अलर्ट, वन विभाग कर रहा सर्चिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र के बिचौली मर्दाना इलाके में मंगलवार रात एक तेंदुए के घुसने से हड़कंप मच गया। रात करीब 8:30 बजे तेंदुआ आबादी वाले हिस्से में पहुंचा और वहां से गुजर रहे एक बाइक सवार पर झपट्टा मार दिया। युवक किसी तरह जान बचाकर भाग निकला। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

हमले के बाद तेंदुआ भागते हुए एक मकान के बाथरूम में घुस गया। कुछ देर बाद वह वहां से निकलकर श्रीजी वैली की ओर भाग गया। सूचना मिलते ही कनाड़िया पुलिस और वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

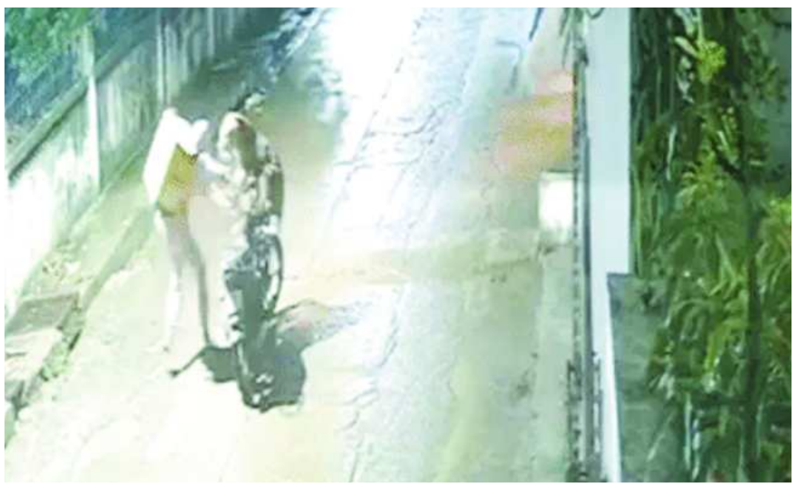

तेंदुए के मूवमेंट जानने सीसीटीवी खंगाले

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि तेंदुए की मूवमेंट का पता लगाया जा सके। साथ ही आसपास की कॉलोनियों और गांवों में लोगों को सतर्क रहने की सूचना दी गई है।

वन विभाग की टीम कर रही सर्चिंग

पुलिस ने बताया कि तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम लगातार सर्च कर रही है। एहतियात के तौर पर पुलिस की दो गाड़ियां पूरे इलाके में गश्त कर रही हैं। लोगों से अपील की गई है कि रात में घरों से बाहर न निकलें और तेंदुआ दिखाई देने पर तुरंत पुलिस या वन विभाग को सूचना दें। प्राथमिक आशंका है कि लगातार हो रही बारिश के कारण तेंदुआ खुड़ैल के जंगल से निकलकर रिहायशी इलाके में पहुंच गया।

सड़क पर कब्जे तो फुटपाथ पर धंधा व्यापार जारी

निगम का रिमूवल विभाग दिखावे की कार्रवाई के बाद नहीं लेता दिलचस्पी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर के चारों ओर हर तरफ इलाकों में फुटपाथ पर अवैध कब्जे नाश्ते के ठेले और सड़क पर जाम यह एक तरह से आम हो गया है। ना इसमें यातायात पुलिस कुछ कर पा रही है और नगर निगम तो इस कदर बेबस है कि कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

नगर निगम का रिमोट विभाग केवल दिखावे की कार्रवाई कर रहा है, जबकि वास्तविकता इससे अलग है।

बताया जाता है कि कई बार सीएम हेल्पलाइन से लेकर जनसुनवाई में भी इस तरह की शिकायत होती रही है। शहर के मध्य इलाके राजवाड़ा, खजूरी बाजार, कृष्णपुरा, जेल रोड, एमजी रोड, जवाहर मार्ग, छावनी, बाणगंगा, मल्हारगंज, सियागंज, भंवरकुआं, विजयनगर, अन्नपूर्णा रोड, कर्बला मैदान से लेकर हर तरफ इस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है कि फुटपाथ सड़क पर अवैध अतिक्रमण के चलते यातायात न केवल जाम हो रहा है बल्कि कई घंटे तक परेशानी लोग जलते हैं। पहले फुटपाथ सड़क के कब्जे हटाने के लिए निगम की मोबाइल कोर्ट चलती थी। मगर लंबे समय से यह भी कोई कार्रवाई नहीं होने से मामला ठंडा बस्ती में चला गया है। खासकर अन्नपूर्णा रोड हो दशहरा मैदान इलाके में तो अतिक्रमण कब्जे और सड़क पर ही व्यापार व्यवसाय करने के कारण रहा चलना भी मुश्किल हो गया है। इसके खिलाफ भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इतना सब कुछ होने के बावजूद समय-समय पर यदि कार्रवाई भी होती है तो निगम कर्मचारी और उनके बीच में विवाद हो जाता है और इन्हें छूट मिल जाती है। फिर से सड़क पर कब्जा करने के लिए जबकि इससे कई घंटे यातायात जाम होता है। निगम को नियम के अनुसार कोई रास्ता निकालना चाहिए तभी सड़क पर इस तरह से जाम काम हो सकता है।

रात के सन्नाटे में रोज बीक रही शराब, आखिर किसके दम पर हवा में उड़ रहे नियम?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में कानून सबके लिए बराबर है या फिर रसूखदारों के लिए अलग नियम बनाए गए हैं? यह सवाल भंवरकुआं थाना क्षेत्र के लिंबोदी स्थित ग्रीन पार्क वाइन शॉप का एक वीडियो सामने आने के बाद खड़ा हो गया है। वीडियो में देर रात करीब 2 बजे तक शराब की बिक्री का वीडियो सामने आया हैं।

शहर में निर्धारित समय के बाद छोटी-छोटी दुकानों तक पर पुलिस की सख्ती दिखाई देती है। समय सीमा खत्म होते ही दुकानें बंद करवा दी जाती हैं, लेकिन आखिर यह वाइन शॉप किसके भरोसे आधी रात के बाद तक बेखौफ कारोबार चला रही है? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी, फिर सब कुछ जानकर भी आंखें मूंद ली गई? स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान का शटर बंद जैसा दिखाया जाता है, लेकिन अंदर से ग्राहकों को शराब उपलब्ध कराई जाती है। सूत्रों के अनुसार यहां शराब एमआरपी से अधिक कीमत पर बेचे जाने की भी शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। यदि यह सही है तो यह केवल समय सीमा का उल्लंघन नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं से अतिरिक्त वसूली का मामला भी बनता है। भंवरकुआं क्षेत्र में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और नौकरीपेशा लोग रहते हैं। देर रात तक शराब की आसान उपलब्धता से क्षेत्र में शराबियों की आवाजाही बढ़ने और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी बनी रहती है। इसके बावजूद यदि खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं तो यह पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वीडियो के आधार पर आबकारी विभाग और पुलिस कार्रवाई करेगी, या फिर यह मामला भी रसूख और प्रभाव के चलते ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा? शहर में नियम-कानून का पालन आम लोगों के लिए ही है या प्रभावशाली कारोबारियों के लिए अलग व्यवस्था चल रही है? इन सवालों के जवाब अब जिम्मेदार विभागों को देने होंगे।

समोसे के लिए रोकी ट्रेन, भड़के यात्री, लोको पायलट का वीडियो वायरल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर और महू के बीच चलने वाली डेमू पैसेंजर ट्रेन से जुड़ा एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है जिसमें ट्रेन बीच ट्रैक पर खड़ी दिखाई दे रही है, जबकि उसका लोको पायलट पटरी के किनारे स्थित एक दुकान पर मौजूद है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि लोको पायलट दुकान से समोसे खरीदता है और फिर वापस इंजन की तरफ बढ़ता है। उसके ट्रेन में सवार होने के बाद ही गाड़ी आगे के लिए रवाना होती है।

यह पूरा घटनाक्रम राऊ क्षेत्र के रंगवासा रोड इलाके का बताया जा रहा है। वहां रहने वाले स्थानीय निवासियों ने रेल प्रबंधन और व्यवस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इंदौर-महू डेमू ट्रेन अक्सर इस जगह पर कुछ मिनटों के लिए खड़ी हो जाती है। इस दौरान लोको पायलट ट्रेन से नीचे उतरता है और पास की दुकान से गरमा-गरम समोसे खरीदकर लाता है। निवासियों के मुताबिक यह रोजाना की बात बन चुकी है, जिसके चलते यात्रियों को बेवजह इंतजार करना पड़ता है। वीडियो के सोशल मीडिया पर छा जाने के बाद रेलवे महकमा भी तुरंत हरकत में आ गया है। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए आधिकारिक तौर पर जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

नेताजी के जन्मदिन पर समर्थकों ने पार की हदें, बुलेट से मचाया ऐसा गदर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। यह पूरा मामला भारतीय जनता पार्टी के एक स्थानीय नेता के जन्मदिन समारोह से जुड़ा हुआ है। इंटरनेट पर प्रसारित हो रहे इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ युवक बुलेट मोटरसाइकिल के साइलेंसर से लगातार पटाखों जैसी तेज आवाजें निकाल रहे हैं। सरेराह किए गए इस हाई-प्रोफाइल ड्रामे को देखकर आसपास के लोग हैरान रह गए।

सामने आई जानकारी के मुताबिक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 33 और 29 के भाजपा मंडल अध्यक्ष पृथ्वी गोरे के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का है। कार्यक्रम के दौरान उनके उत्साही समर्थक बुलेट का इस्तेमाल करके करीब 10 से 15 मिनट तक लगातार पटाखे फोड़ने जैसी तेज और डरावनी आवाजें निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे जश्न के दौरान माहौल को और ज्यादा शोर-शराबे से भरने के लिए ढोल-नगाड़ों का भी जमकर इस्तेमाल किया गया।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर स्थानीय रहवासियों ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। कॉलोनी के लोगों का आरोप है कि इतनी तेज आवाज और लगातार मोटरसाइकिल से पटाखे छूटने के कारण पूरी कॉलोनी में काफी देर तक भारी शोर-शराबा बना रहा। इस कान फोडू आवाज की वजह से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ा। इस वायरल वीडियो के सामने आने के बाद अब शहर में ध्वनि प्रदूषण के नियमों और यातायात के कड़े कानूनों के पालन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं।

पूज्य साईं सुमन सेवा समिति ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित किए नि:शुल्क पुस्तक-कॉपी सेट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री पूज्य साईं सुमन सेवा समिति, इंदौर द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए नि:शुल्क पुस्तक एवं कॉपी सेट प्रदान किए गए। संस्था द्वारा यह पुनीत कार्य संस्थापक स्वर्गीय गणेशमल सोनी (कठातला) की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र बी.सी.सोनी पत्रकार द्वारा पिछले अनेक वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। गरिमामय एवं आत्मीय वातावरण में सम्पन्न वितरण समारोह में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में विद्यालयों के लाभान्वित विद्यार्थी शामिल हुए। जगदीश भंडारी ने संस्था के संस्थापक स्वर्गीय गणेशमल सोनी के सेवाभाव को स्मरण करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रारंभ की गई सेवा परंपरा को उनके सुपुत्र पत्रकार बी. सी. सोनी आज श्रद्धा भाव से निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं और यह कार्य सैकड़ों विद्यार्थियों के जीवन में नई आशा का संचार कर रहा है। आचार्य सिद्धांत गोटिया ने समिति के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के समर्पण की सराहना करते हुए समाज के सक्षम वर्ग से भी ऐसे पुनीत कार्यों में सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

विद्यालय एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिये 17 खाद्य नमूने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेशभर में खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के विरुद्ध सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्यालय एवं विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान कुल 4 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 17 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

वेदांत इंटरनेशनल स्कूल की मेस का निरीक्षण-कलेक्टर हेल्पलाइन 0731-181 पर प्राप्त एक अभिभावक की शिकायत के आधार पर वेदांत इंटरनेशनल स्कूल, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मेस से काला चना, तैयार चावल, तैयार मंचूरियन एवं काला नमक के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए।

प्राजी दे कुलचे का निरीक्षण- सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर शिकायतकर्ता से प्राप्त जानकारी अनुसार प्राजी दे कुलचे, न्यू पलासिया इंदौर का निरीक्षण किया गया। मौके से राजमा, तैयार छोले की सब्जी एवं मैदा के कुल 03 नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। की गई कार्रवाई की जानकारी शिकायतकर्ता को दी गई, जिस पर उन्होंने संतुष्टि व्यक्त की।

द आंध्रा किचन का निरीक्षण- प्राप्त शिकायत के आधार पर पाकशाला - द आंध्रा किचन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तंदूरी चिकन, ग्रेवी एवं डोसा बैटर के कुल 3 नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं।

जैन श्री रेस्टोरेंट में साफ-सफाई संबंधी कमियां, 7 नमूने लिए गए- जैन श्री रेस्टोरेंट, केलोद हाला, इंडस सैटेलाइट रेलवे ब्रिज के पास, इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाई गई। इस संबंध में सुधार सूचना पत्र जारी करने हेतु प्रकरण अभिहित अधिकारी को प्रस्तुत किया गया।

ना ही नक्शा न कोई अनुमति, बीओ-बीआई, पार्षद एवं बिल्डर की गठजोड़ से हो रहा अवैध निर्माण

बेसमेंट, दुकानें और जी प्लस थ्री निर्माण चिढ़ा रहा जिम्मेदारों को मुंह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम सीमा के वार्ड 60 के 80/3 दौलतगंज उर्दू मैदान रोड स्थित अवैध निर्माण पार्षद, बीओ गीतेश तिवारी, बीआई जिशान चिश्ती, बिल्डर शकील ओलंपिक, और लगभग नगर निगम के सभी जिम्मेदारों की मिलीभगत की खुली दास्तान बयान कर रहा हैं। दरअसल वह इसलिए क्योंकि उक्त बहुमंजिला के अवैध निर्माण में इंदौर नगर निगम से न ही कोई नक्शा पास करवाया गया है। और न ही अन्य कोई अनुमतियों को तवज्जो दी गई। बस मन हुआ, सेटिंग जमी और उक्त निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। दौलतगंज का उक्त अवैध निर्माण नगर निगम के जिम्मेदारो को मुंह चिढ़ा रहा जिनमें आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त प्रखर सिंह हैं। क्योंकि जिस तरह से सड़क चौड़ीकरण, अवरोधों को निगम अमला धराशई करता है, और

जिस तरह से वाह वाही लूटता है। उस निगम अमले को यह अवैध निर्माण दिखाई ही नहीं दे रहा हैं। और तो और जमीन पर निगम की और से कमान संभालने वाले भवन अधिकारी गीतेश तिवारी और भवन निरीक्षक जिशान चिश्ती जैसे जिम्मेदार जानकारी नहीं होने के तक के गैरजिम्मेदार जवाब दे रहे हैं। लिहाजा उक्त क्षेत्र में बिंदास बिना कोई अनुमति और नक्शा स्वीकृति के अवैध निर्माणों का सिलसिला कायम हैं।

80/3 दौलतगंज स्थित बहुमंजिला का निर्माण शकील ओलंपिक नामक व्यक्ति कर रहा हैं। यह अवैध निर्माण किया जा रहा हैं। लेकिन दिलचस्प बात तो यह है कि दौलतगंज स्थित बन रही बहुमंजिला जिसमें बेसमेंट, अवैध दुकानें और चार मंजिला निर्माण तक हो चुका हैं। उसे लेकर खुद इंदौर नगर निगम भवन अनुज्ञा विभाग लिखकर दे चुका है कि उक्त निर्माण को लेकर निगम से कोई भी जरूरी अनुमतियां नहीं ली गई हैं। साथ ही अन्य कोई भी खानापूर्ति नहीं की गई हैं।

दौलतगंज स्थित बहुमंजिला निर्माण की जानकारी जैसे ही लगी, वैसे ही स्थानीय वार्ड 60 के कांग्रेस पार्षद अंसाफ अंसारी को उनके मोबाइल पर उक्त मामले की जैसे ही चर्चा हुई, उस दिन से वार्ड 60 के कांग्रेसी पार्षद अंसाफ अंसारी ने फोन उठाना ही बंद कर दिया हैं। जबकि विश्वनीय सत्र बताते है कि उक्त अवैध निर्माण को लेकर खुद कांग्रेसी पार्षद की शह पर ही इतना बड़ा अवैध निर्माण खड़ा हो गया।

दौलतगंज स्थित बहुमंजिला के अवैध निर्माण को लेकर जब तत्कालीन भवन अधिकारी गीतेश तिवारी से चर्चा की तो उन्होंने उक्त अवैध निर्माण की जानकारी होने से ही इनकार कर दिया। इधर भवन निरीक्षक जिशान चिश्ती का जवाब भी कुछ ऐसा ही था। लिहाजा अब आप ही खुद अंदाजा लगा सकते है कि इंदौर नगर निगम के जिम्मेदार और जमीनी अधिकारी कार्य करने में कितनी मक्कारी करते है या फिर जो सूत्र बता रहे है कि निर्माणकर्ता ने इन दोनों ही जेबें गर्म कर दी। शायद इसी के चलते जिशान चिश्ती और गीतेश तिवारी जानकारी नहीं होने का बहाना बना रहे हैं।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, बुधवार 08 जुलाई 2026

15 जुलाई से गुप्त नवरात्र; 12 साल बाद दुर्लभ संयोग, भड़ली नवमी पर भी नहीं होंगे विवाह

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास की शुरुआत हो जाएगी। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं। इसी वजह से विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत और अन्य मांगलिक कार्य अगले चार माह तक नहीं किए जाएंगे। पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा, 15 जुलाई से गुप्त नवरात्र का आरंभ होगा। इस बार गुप्त नवरात्र 9 दिन तक रहेगी। खास बात यह है कि इसका शुभारंभ 12 साल बाद गजकेसरी योग और बुध पुष्य योग के दुर्लभ संयोग में हो रहा है।

क्या है खास संयोग?

पंडित अमर डिब्बेवाला के अनुसार, 15 जुलाई को बुधवार, पुष्य नक्षत्र और कर्क राशि में चंद्रमा की स्थिति रहेगी। चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग बनेगा। सामान्यत: गुरु का एक ही राशि में आगमन 12 वर्ष में होता है, इसलिए यह संयोग बेहद विशेष माना जा रहा है।

भड़ली नवमी पर विवाह नहीं

डिब्बेवाला के अनुसार, गुप्त नवरात्र के दौरान भड़ली नवमी का मुहूर्त रहेगा, लेकिन 16 जुलाई को गुरु तारा अस्त हो जाएगा। इस कारण इस अवधि में विवाह के मुहूर्त मान्य नहीं रहेंगे।

साधना व उपासना के लिए विशेष समय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आषाढ़ और माघ मास की नवरात्र को गुप्त नवरात्र कहा जाता है। यह काल साधना, उपासना और गुप्त विद्याओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस दौरान बनेंगे कई शुभ योग

गुप्त नवरात्र काल में 2 सर्वार्थ सिद्धि योग और 3 रवि योग भी बनेंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इन योगों में नई शुरुआत, बैंकिंग, टेक्नोलॉजी, ऑफिस शिफ्टिंग और व्यवसाय से जुड़े कार्य करना शुभ माना जाता है।

साल में दो गुप्त और दो प्रकट नवरात्र

श्रीमद्देवीभागवत महापुराण के अनुसार, वर्षभर में चार नवरात्र आते हैं, जिनमें दो गुप्त और दो प्रकट होते हैं। आषाढ़ और माघ मास के नवरात्र गुप्त नवरात्र कहलाते हैं, जबकि चैत्र और अश्विन मास के नवरात्र प्रकट नवरात्र माने जाते हैं।

विद्याधाम पर गुरू पूर्णिमा पर 'भगवन' की पादुकाओं का पूजन एवं दीक्षा कार्यक्रम 29 जुलाई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर गुरू पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में बुधवार, 29 जुलाई को आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' की चरण पादुकाओं का पूजन एवं वर्तमान महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के पाद पूजन तथा गुरूमंत्र दीक्षा का दिव्य अनुष्ठान सुबह 9.30 बजे से प्रारंभ होगा। आश्रम पर चातुर्मास महोत्सव के दौरान विभिन्न अनुष्ठान होंगे। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि चातुर्मास महोत्सव के तहत महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 31 वैदिक विद्वानों द्वारा दो अभिषेकात्मक लघु रूद्र महायाग होंगे। पूरे श्रावण मास में भगवान पारदेश्वर का दुग्ध धारा एवं तीर्थ जल द्वारा अखंड अभिषेक, प्रतिदिन सांय 5.30 बजे से 'ह्रीं नम: शिवायै च नम: शिवाय' महामंत्र द्वारा लक्षार्चन आराधना एवं सायं 5.30 से रात 9 बजे तक सामूहिक शिव महिम्न पाठ एवं शिव आराधना के अनुष्ठान होंगे। श्रावण मास में शिव अनुष्ठान के लिए 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त और 24 अगस्त सहित कुल चार श्रावण सोमवार एवं 10 अगस्त तथा 25 अगस्त को प्रदोष व्रत पर किसी भी दिन के लिए यजमान बनने, भगवान को महाप्रसाद समर्पित करने, बाल भोग, राजभोग, गोष्ठी प्रसाद आदि की सेवा के लिए विद्याधाम कार्यालय पर संपर्क किया जा सकता है। प्रत्येक श्रावण सोमवार एवं प्रदोष पर भगवान भगवानी शंकर का विशेष श्रृंगार दर्शन एवं महाआरती का आयोजन भी होगा। गुरू पूर्णिमा पर 29 जुलाई को देश-विदेश में बसे 'भगवन' के शिष्य भी इंदौर आएंगे। श्री श्रीविद्याधाम पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में चातुर्मास के विभिन्न कार्यक्रम में अनेक संत-विद्वान एवं शिष्य भी शामिल होगें।

न्यूज ब्रीफ

गुरू पूर्णिमा पर 'भगवन' की पादुकाओं का पूजन एवं दीक्षा कार्यक्रम 29 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर गुरू पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में बुधवार, 29 जुलाई को आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' की चरण पादुकाओं का पूजन एवं वर्तमान महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के पाद पूजन तथा गुरूमंत्र दीक्षा का दिव्य अनुष्ठान सुबह 9.30 बजे से प्रारंभ होगा। आश्रम पर चातुर्मास महोत्सव के दौरान विभिन्न अनुष्ठान होंगे। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि चातुर्मास महोत्सव के तहत महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 31 वैदिक विद्वानों द्वारा दो अभिषेकात्मक लघु रूद्र महायाग होंगे। पूरे श्रावण मास में भगवान पारदेश्वर का दुग्ध धारा एवं तीर्थ जल द्वारा अखंड अभिषेक, प्रतिदिन 'ह्रीं नम: शिवायै च नम: शिवाय' महामंत्र द्वारा लक्षार्चन आराधना एवं सामूहिक शिव महिम्न पाठ एवं शिव आराधना के अनुष्ठान होंगे। 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या पर आश्रम के संस्थापक शिव स्वरुप पूज्यश्री गिरिजानंद सरस्वती भगवन के निर्वाण का पुण्य स्मरण एवं पादुका पूजन भी होगा।

अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के चुनाव हेतु नामांकन फॉर्म का वितरण शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज की शीर्ष संस्था श्री अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के द्विवार्षिक चुनाव के लिए नामांकन फॉर्म के वितरण का काम मंगलवार से केन्द्रीय समिति के आंचल नगर, स्कीम 140, पीपल्याहाना स्थित हाईटेक कार्यालय पर शुरू हो गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी गोपालदास अग्रवाल एवं सहायक चुनाव अधिकारी मनीष खजांची और अरविंद अग्रवाल वेल्यूअर ने बताया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। नामांकन फॉर्म वितरण 10 जुलाई तक प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक जारी रहेगा। इसके पश्चात 8 से 11 जुलाई तक नामांकन फॉर्म जमा किए जा सकेंगे। सोमवार 13 जुलाई को जाँच के पश्चात शाम 4 बजे वैध उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा और बुधवार 15 जुलाई को शाम 4 से 7 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। गुरुवार 16 जुलाई को उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा और जरुरी हुआ तो कुल 21 पदों के लिए रविवार 26 जुलाई को राजीव गाँधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर मतदान होगा।

गुरू पूर्णिमा पर हंसदास मठ में पंद्रह समाधियों का होगा पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बड़ा गणपति, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर गुरूपूर्णिमा महोत्सव बुधवार, 29 जुलाई को ध्वजा अर्पण के साथ प्रारंभ होगा। महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह शहर का पहला ऐसा धर्मस्थल है, जहां 15 संतों की समाधियां मौजूद हैं, जिन पर चरण पादुकाएं स्थापित है। गुरू पूर्णिमा पर मठ के अधिष्ठाता हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत रामचरणदास महाराज के सानिध्य में गंगाजल, दुग्ध एवं सुगंधित द्रव्यों से अभिसिक्त कर विद्वानों की उपस्थिति में स्वस्ति वाचन के बीच समाधियों का पूजन किया जाएगा। मठ के महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज ने बताया कि इस अवसर पर मठ के संस्थापक स्वामी बाबा हंसदास महाराज, बाबा सियाराम दास, बाबा रामस्वरूप दास, बाबा रामरतनदास प्रथम एवं द्वितीय, बाबा शेष नारायणदास एवं मठ से जुड़े अन्य संतों की समाधियों के पूजन के साथ बुधवार को सुबह 10 बजे से हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज द्वारा गुरू दीक्षा प्रदान की जाएगी।

गोद भराई की खुशियों में घुली सेवा की मिठास, बच्चों को बांटी शिक्षा की सौगात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गोद भराई समारोह आमतौर पर गीत-संगीत, तंबोला और भोज के लिए याद किए जाते हैं, लेकिन पश्चिमी रिंग रोड स्थित एक गार्डन में आयोजित समारोह ने खुशियों को सामाजिक सरोकार से जोड़कर एक प्रेरक संदेश दिया। सीए निधि बंग ने अपने गोद भराई समारोह के अवसर पर जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, स्कूल ड्रेस और शैक्षणिक सामग्री वितरित की। बच्चों के लिए स्नेह भोज का भी आयोजन किया गया। भारतीय महिला मोर्चा की प्रदेश कोषाध्यक्ष निधि बंग ने कहा कि जीवन के इस विशेष अवसर की खुशी जरूरतमंद बच्चों के साथ साझा करना उनके लिए सबसे बड़ा सुख है। उन्होंने कहा कि यह पहल बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य में छोटी-सी भागीदारी का प्रयास है। समारोह में उपस्थित समाजजनों, महिलाओं और गणमान्य नागरिकों ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने इसे सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का सुंदर उदाहरण बताया। आयोजन ने संदेश दिया कि उत्सवों की असली रौनक तभी बढ़ती है, जब उसमें जरूरतमंदों की मुस्कान भी शामिल हो। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित अन्य मौजूद थे।

शिविर में किसानों को ऋण प्रक्रिया की दी जानकारी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● सहकारिता विभाग के विशेष सदस्यता अभियान के तहत सेवा सहकारी संस्था साटकुर में सदस्यता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को सहकारी संस्थाओं से जोड़कर उन्हें शासन की सहकारी योजनाओं का लाभ दिलाना था। शिविर में जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक राजेंद्र बागदरे, बैंक अधिकारी सुभाष पटेल, बलकवाड़ा शाखा प्रबंधक दीवानसिंह चौहान, सेवा सहकारी संस्था के प्रबंधक आकांशु पाटीदार व सेवा सहकारी संस्था साटकुर की प्रबंधक स्वाति पाटीदार मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों को सहकारी संस्था की सदस्यता के लाभ, ऋण प्रक्रिया और सरकार की विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। शिविर में क्षेत्र के किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सदस्यता के लिए पंजीयन कराया।

गुरुदेव इंदौर आपको बुला रहा है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्या की धर्म नगरी इंदौर पधारो गुरुदेव इंदौर नगर पलकों की कालीन बिछाएं आप की प्रतीक्षा में धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि आज दिगम्बर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष आनंद गोधा एवं महामंत्री हर्ष जैन के नेतृत्व में वर्षायोग 2026 हेतु दिगम्बर जैन सामाजिक संसद कीर्ति स्तम्भ, तीर्थ स्वरूप सुमतिधाम ट्रस्ट, के न्यासी दानवीर भामाशाह सपना मनीष गोधा परिवार व सकल जैन समाज इंदौर की तरफ से आज 6 जुलाई को आवन (जिला गुना) पहुंचकर भक्तिमय भावपूर्ण निवेदन निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी ससंघ के चरणों में गुरुवर हमको तारों इस वर्ष इंदौर पधारों कहकर अपनी मंगल भावना व्यक्त की। गोधा दंपत्ति सपना मनीष गोधा ने गुरुचरणों में निवेदन किया की मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी के वर्षायोग की 'इंदौर शहर को अत्यंत आवश्यकता है' और श्रावक संस्कार शिविर और मौजी बंधन संस्कार जैसे जैन समाज के अग्रणी कार्यक्रम को गोधा दम्पति ने वृहद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आप के संसघ सानिध्य में करवाने की अभिलाषा रखीं।

झमाझम बारिश से शहर तरबतर दिन में 17 मिमी बारिश दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मंगलवार को मौसम ने एक बार फिर करवट ली और दिन में हुई तेज झमाझम बारिश से पूरा शहर तरबतर हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिनभर में शहर में करीब 0.66 इंच (लगभग 17 मिमी) बारिश दर्ज की गई है। इस तेज बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों और प्रमुख मार्गों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस सीजन में अब तक कुल 16 इंच बारिश हो चुकी है। दोपहर में अचानक घिरे काले बादलों के बाद शुरू हुआ तेज बारिश का दौर करीब एक घंटे तक जारी रहा। तेज बारिश के कारण सड़कों पर दृश्यता कम हो गई और वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। शहर के व्यस्ततम चौराहों और कॉलोनियों में पानी जमा होने से पैदल चलने वालों को खासी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, इस बारिश ने पिछले कुछ दिनों से जारी उमस और भीषण गर्मी से नागरिकों को बड़ी राहत भी दी है।

तीन जिलों में था पदस्थ रिश्वतखोर डॉक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● रीवा लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई में घूस लेते पकड़े गए सरकारी डॉक्टर को लेकर एक और खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि आरोपी डॉक्टर एक साथ तीन जिलों शहडोल, श्योपुर और खरगोन में पदस्थ था। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, वह तीनों जगहों पर फुल टाइम सेवाएं दे रहा था और बकायदा वेतन भी उठा रहा था। मामले में कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह ने सीएमएचओ को एफआईआर कराने के निर्देश दिए हैं। लोकायुक्त टीम ने 3 जुलाई को जयसिंहनगर बस स्टैंड पर उफरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मेडिकल ऑफिसर डॉ. महेश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। डॉक्टर ने एक शिकायतकर्ता से उसकी पत्नी का अटैचमेंट आदेश निरस्त करने और रवानगी रोकने के एवज में 10 हजार रुपए की घूस मांगी थी, जिसकी पहली किस्त लेते हुए वह पकड़ा गया। इस कार्रवाई के बाद जब डॉक्टर का सर्विस रिकॉर्ड खंगाला गया, तो इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद शुरुआती जांच में पहले शहडोल और श्योपुर में डॉक्टर की एक साथ पदस्थापना की बात सामने आई थी। अब नए रिकॉर्ड के अनुसार, वह फरवरी 2023 से खरगौन जिले के सेगांव ब्लॉक में भी कार्यरत था। ये तीनों जिले एक-दूसरे से बेहद दूर हैं। शहडोल से श्योपुर की दूरी करीब 650 किलोमीटर और खरगोन की दूरी लगभग 750 से 800 किलोमीटर है। ऐसे में एक ही समय पर तीनों जगहों पर नियमित उपस्थित रहना नामुमकिन है।

युवक चोरल नदी में डूबा, पुलिस के साथ नदी पार कर रहा था

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● बड़वाह वन परिक्षेत्र में मंगलवार को अवैध शराब के ठिकानों पर दबिश देने गई टीम का एक 25 वर्षीय कर्मचारी चोरल नदी में डूब गया। मृतक की पहचान इंदौर के चंदन नगर निवासी विकास भूरिया के रूप में हुई है, जो शराब ठेकेदार के यहां काम करता था। बड़वाह के घने जंगलों और नदी के किनारों पर लंबे समय से अवैध रूप से महुआ और कच्ची शराब बनाने का काम चल रहा है। मिली सटीक सूचना के आधार पर शराब ठेकेदार के कर्मचारियों की एक टीम इन अवैध ठिकानों पर छापा मारने के लिए निकली थी। रास्ते में जब यह टीम चोरल नदी पार कर रही थी, तभी अचानक विकास भूरिया का पैर फिसल गया और वह नदी के गहरे पानी में चला गया। मौके पर मौजूद उसके साथी कर्मचारियों ने उसे बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन पानी ज्यादा गहरा होने की वजह से वे उसे निकाल नहीं पाए। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। प्रशासन ने आनन-फानन में बड़वाह के नावघाटखेड़ी से कुशल गोताखोरों की टीम को रेस्क्यू के लिए बुलाया।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

राम मंदिर न्यास में कथित गबन: सवाल सिर्फ चोरी का नहीं, भरोसे का है

राम मंदिर का दर्शन और वहां दान करना करोड़ों लोगों की आस्था का मामला है। मगर इस समूचे मामले की वजह से आम लोगों के भीतर न्यास को लेकर एक तरह का अविश्वास पैदा हुआ है राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में कथित गबन का मामला जब से सामने आया है, तभी से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के समांतर एक संपूर्ण पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की कोई गड़बड़ी संभव न हो सके। विडंबना यह है कि इस मामले के खुलासे के बाद जहां न्यास के दायरे में जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए थी, वहां शुरू से आरोपों की दिशा भ्रमित करने की कोशिश होती रही। अब सोमवार को न्यास की एक अहम बैठक के दौरान इसके महासचिव चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए और अंतरिम व्यवस्था के तौर पर एक अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई। निश्चित तौर पर यह कदम विवाद के बीच जिम्मेदारी और आरोपियों के प्रति नरमी बरतने को लेकर उठते गंभीर सवालों की तीव्रता को कम करने की एक कवायद है, लेकिन इस बीच जैसी असहज करने वाली स्थितियां पैदा हुईं, उसने आम लोगों के भरोसे को कमजोर ही किया है। विडंबना यह है कि न्यास के जिन लोगों पर इसके वित्त की निगरानी, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसकी संपत्तियों की रक्षा करने का दायित्व था, या तो उनके लिए ये तकाजे गैर-महत्त्वपूर्ण थे या फिर वे ही कठघरे में खड़े दिखे। सवाल है कि आरोपों की अनदेखी करके क्या अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा सकता है! इतने समय तक किसकी देखरेख या संरक्षण में चढ़ावे की चोरी करने वालों का धंधा बेरोक-टोक चलता रहा? क्या यह उन तमाम लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं है, जिनकी आस्था की बुनियाद पर ही न्यास का समूचा कामकाज टिका हुआ है? लोगों के भरोसे को ताक पर रखकर पैसों का गबन करने की हरकत कैसे संभव हुई? अब यह देखने की बात होगी कि इस अनियमितता के वास्तविक आरोपियों को कानून के कठघरे में खड़ा करके सजा दिलाई जाती है या नहीं? हालांकि न्यास के नए महासचिव का कहना है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सजा दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। निश्चित रूप से सिर्फ इस्तीफा इस मामले का हल नहीं हो सकता।

उच्च सदन का नया भूगोल, बंगाल का भूचाल और एनडीए का 'दो-तिहाई' चक्रव्यूह

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यसभा (उच्च सदन) को हमेशा से राज्यों के प्रतिनिधित्व और विधायी संतुलन के केंद्र के रूप में देखा गया है। हाल ही में पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव परिणामों और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस में मचे अभूतपूर्व राजनीतिक घमासान के बाद संसद के इस ऊपरी सदन का भूगोल पूरी तरह बदल चुका है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपनी स्थिति को सुदृढ़ करते हुए दो-तिहाई बहुमत की दहलीज पर दस्तक दे दी है। वर्तमान संख्या बल को देखें तो एनडीए दो-तिहाई के जादुई आंकड़े से महज 9 से 11 सीटें दूर खड़ा है। इस राजनीतिक सफर का सबसे अहम मोर्चा दिल्ली नहीं, बल्कि कोलकाता बन चुका है, जहां से राज्यसभा के समीकरण तय हो रहे हैं।

ज्ञात हो कि राज्यसभा की कुल प्रभावी सदस्य संख्या 245 है। सामान्य विधेयकों को पारित कराने के लिए 123 सदस्यों के साधारण बहुमत की आवश्यकता होती है, जिससे एनडीए बहुत पहले ही आगे निकल चुका है। हाल ही में विपक्षी खेमे से हुए दलबदल और क्षेत्रीय दलों के रुख के बाद एनडीए की अपनी ताकत बढ़कर लगभग 141 हो गई है।

यदि इसमें सरकार के अनुकूल रुख रखने वाले निर्दलीय और राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्यों को जोड़ दिया जाए, तो सत्ता पक्ष के पास 152 से 155 सांसदों का ठोस समर्थन दिखाई देता है। इसके विपरीत, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी 'इन्डिया' गठबंधन कमजोर होकर महज 64 सीटों पर सिमट गया है। दो-तिहाई बहुमत के लिए आवश्यक 163-164 के आंकड़े को छूने के लिए अब सरकार को केवल कुछ और सीटों की दरकार है, और यह राह बंगाल के रास्ते खुलती दिख रही है।

इस पूरे संख्या बल में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ पश्चिम बंगाल से आया है। हालिया विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर उठे सवालों के बीच टीएमसी के तीन वरिष्ठ राज्यसभा सांसदों—सुखेंदु शेखर रॉय, सुस्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाइक—ने जून में उच्च सदन और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया।

भारत निर्वाचन आयोग ने बंगाल की इन तीन खाली सीटों पर 24 जुलाई को उपचुनाव कराने का ऐलान किया है। चूंकि पश्चिम बंगाल विधानसभा में अब भाजपा के पास 208 विधायकों का भारी बहुमत है, इसलिए गणितीय रूप से यह बिल्कुल साफ है कि ये तीनों सीटें सीधे तौर पर भाजपा (एनडीए) के खाते में जा रही हैं। यह टीएमसी के लिए संसदीय स्तर पर अब तक का सबसे बड़ा झटका है और एनडीए के लिए अपने दम पर सीटों की संख्या 154 तक पहुंचाने का सीधा रास्ता। इसके अलावा, टीएमसी के लोकसभा सांसदों में भी बड़ी बगावत की खबरें हैं, जिसने विपक्षी खेमे के मनोबल को पूरी तरह तोड़ दिया है। [

गौरतलब है कि साधारण विधायी कार्यों के लिए तो सरकार को कोई चुनौती नहीं है, लेकिन एनडीए का असली लक्ष्य दो-तिहाई बहुमत (कम से कम 163 सीटें) हासिल करना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत किसी भी संवैधानिक संशोधन विधेयक को संसद के दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित होना अनिवार्य है।

सरकार के एजेंडे में कई ऐसे बड़े और दूरगामी सुधार शामिल हैं, जिनके लिए संविधान में संशोधन करना आवश्यक है। इनमें शामिल हैं:'एक देश, एक चुनाव' देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव ।लोकसभा सीटों का नया परिसीमन: नए संसद भवन की क्षमता के अनुरूप लोकसभा सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 तक करने की योजना। महिला आरक्षण का पूर्ण क्रियान्वयन: वर्ष 2029 से पहले महिलाओं के लिए विधायी सीटों के आरक्षण को जमीन पर उतारना।

इन ऐतिहासिक विधेयकों को कानून का रूप देने के लिए राज्यसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पार करना मोदी सरकार के लिए अनिवार्य बन चुका है, और बंगाल की तीन सीटें इस दिशा में पहला मजबूत कदम हैं।

बंगाल उपचुनावों के बाद भी दो-तिहाई के लक्ष्य से जो 9 सीटों की दूरी बचेगी, उसे पाटने के लिए भाजपा के रणनीतिकार निर्दलीय और क्षेत्रीय दलों पर नजरें टिकाए हुए हैं। राज्यसभा के इस चक्रव्यूह में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सबसे बड़े 'किंगमेकर' की भूमिका में हैं।

बीजेडी के पास 6 और वाईएसआरसीपी के पास 7 सीटें हैं। हालांकि ये दल एनडीए का औपचारिक हिस्सा नहीं हैं, लेकिन राष्ट्रीय महत्व और विकास से जुड़े मुद्दों पर इनका झुकाव अक्सर सरकार के पक्ष में रहा है। यदि किसी संवेदनशील संविधान संशोधन बिल पर इन दोनों दलों का परोक्ष या प्रत्यक्ष समर्थन मिल जाता है, तो एनडीए का आंकड़ा आसानी से 164 को पार कर जाएगा।

एनडीए के लिए यह राह पूरी तरह बाधा रहित नहीं है। राज्यसभा की संरचना ऐसी है कि यह कभी पूरी तरह भंग नहीं होती और हर दो वर्ष में इसके एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं। इसी राजनीतिक चक्र के तहत, वर्ष के उत्तरार्ध (विशेषकर नवंबर) में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के 10 सदस्य सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी की मौजूदा मजबूत स्थिति को देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि इन 10 सीटों में से कुछ सीटें सपा के खाते में जाएंगी। इसका सीधा असर यह होगा कि नवंबर के बाद राज्यसभा में एनडीए की ताकत में मामूली गिरावट आ सकती है और दो-तिहाई से उसकी दूरी फिर से बढ़ सकती है। यही कारण है कि भाजपा बंगाल जैसे राज्यों से मिलने वाली हर एक सीट को अपने पाले में सुरक्षित करने के लिए इतनी आक्रामक रणनीति अपना रही है।

राज्यसभा में बंगाल के रास्ते दो-तिहाई बहुमत के बेहद करीब पहुंचने के बाद भी सरकार के सामने एक बड़ा संवैधानिक विरोधाभास खड़ा है। संविधान संशोधन के लिए केवल राज्यसभा में ही नहीं, बल्कि लोकसभा (निचले सदन) में भी दो-तिहाई बहुमत (363 सीटें) की आवश्यकता होती है।

भले ही राज्यसभा में एनडीए विपक्षी गठबंधन को पछाड़कर जादुई आंकड़े के करीब पहुंच रहा हो, लेकिन लोकसभा में उसकी दलीय स्थिति ऐसी नहीं है कि वह अपने दम पर या वर्तमान सहयोगियों के साथ मिलकर 363 का आंकड़ा छू सके। बंगाल में टीएमसी की टूट से लोकसभा में सरकार को वॉकओवर जैसा समर्थन मिल सकता है, लेकिन फिर भी पूर्ण दो-तिहाई के लिए विपक्ष के बड़े हिस्से को साथ लेना होगा।

राज्यसभा में एनडीए का दो-तिहाई बहुमत के करीब पहुंचना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विधायी एजेंडे के लिए एक बड़ी मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक जीत है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बंगाल जैसे विपरीत गढ़ों में राजनीतिक बदलाव का सीधा असर राष्ट्रीय स्तर के विधायी समीकरणों पर पड़ता है। हालांकि, लोकतंत्र की खूबसूरती इसके संतुलन में है। 9 से 11 सीटों की यह दूरी एनडीए को पूरी तरह 'एकतरफा' फैसले लेने से रोकती है और उसे क्षेत्रीय आकांक्षाओं का सम्मान करने पर मजबूर करती है।

आने वाले महीनों में संसद का गलियारा तीखी बहसों, रणनीतिक गठबंधनों और राजनीतिक सौदेबाजी का गवाह बनेगा। देश की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि सरकार इस विधायी बढ़त का उपयोग देश के व्यापक विकास और दूरगामी संवैधानिक सुधारों के लिए किस तरह करती है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

किसान ने पी लिया कीटनाशक फसल खराब होने का आरोप आदान केंद्र पर बिगड़ी तबीयत

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● बदनावर तहसील के दत्तीगारा गांव में सोयाबीन की फसल अंकुरित नहीं होने से आहत एक किसान ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास कर लिया। 25 वर्षीय प्रहलाद सिंह राठौड़ को गंभीर हालत में धार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें किसान कृषि आदान केंद्र के बाहर तड़पता दिखाई दे रहा है। प्रहलाद सिंह ने इस खरीफ सीजन में करीब साढ़े 10 बीघा जमीन पर 27 और 28 जून को सोयाबीन की बुवाई की थी। किसान का कहना है कि बुवाई के दौरान उसने कीटनाशक का उपयोग किया था। कई दिन बीतने के बाद भी खेत में फसल का अंकुरण नहीं हुआ। उसका आरोप है कि पूरी फसल खराब हो गई, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ। परिजनों के अनुसार खेती की तैयारी के लिए परिवार पहले से आर्थिक संकट में था। किसान के भाई सुमेर सिंह ने बताया कि बीज खरीदने के लिए रकम गिरवी रखनी पड़ी थी और जिस खेत में बुवाई की गई, वह भी लीज पर लिया गया था। फसल खराब होने के बाद परिवार गहरे आर्थिक संकट में आ गया। परिजनों का कहना है कि मानसिक तनाव में प्रहलाद सिंह उसी कृषि आदान केंद्र पर पहुंचा, जहां से उसने कीटनाशक खरीदा था। वहां उसने कथित तौर पर कीटनाशक पी लिया। घटना के बाद मौजूद लोगों ने तत्काल परिजनों को सूचना दी और किसान को अस्पताल पहुंचाया। निजी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हेमंत नरगावे ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के समय किसान की हालत गंभीर थी। कीटनाशक उसकी आंखों में भी चला गया था, जिससे आंखों में सूजन आ गई। प्रारंभिक जांच में कीटनाशक सेवन की पुष्टि होने पर तत्काल उपचार शुरू किया गया। पेट की सफाई के साथ आंखों का भी इलाज किया जा रहा है। फिलहाल हालत में कुछ सुधार है, लेकिन जहरीले पदार्थ के सेवन के बाद शुरुआती 72 घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है।

मंडी में प्याज की बंपर आवक, लगातार दूसरे दिन 11 हजार क्विंटल से अधिक प्याज पहुंचा

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● सब्जी मंडी में इन दिनों प्याज की बंपर आवक देखने को मिल रही है। लगातार दूसरे दिन मंडी में 11 हजार क्विंटल से अधिक प्याज की आवक दर्ज की गई। मंगलवार को मंडी में 11,426 क्विंटल प्याज बिकने आया, जबकि इससे पहले सोमवार को भी 11,228 क्विंटल प्याज पहुंचा था। भारी आवक के चलते मंडी परिसर में सुबह से शाम तक किसानों और व्यापारियों की भारी चहल-पहल बनी हुई है। मंगलवार को बदनावर मंडी में प्याज की क्वालिटी के आधार पर किसानों को अलग-अलग दाम मिले। मंडी में प्याज का भाव यह रहा। व्यापारियों का कहना है कि आवक बहुत ज्यादा होने के कारण कीमतों में थोड़ा उतार-चढ़ाव जरूर है, लेकिन अच्छी

और सूखी क्वालिटी के प्याज की मांग बाजार में अब भी मजबूत बनी हुई है। सब्जी मंडी के साथ-साथ बदनावर कृषि उपज मंडी में अन्य मुख्य फसलों की भी अच्छी आवक देखने को मिली। मंगलवार को मंडी में प्याज के अलावा यह फसलें पहुंचीं। मंडी प्रशासन के मुताबिक, बदनावर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से प्याज की आवक लगातार बनी हुई है। यदि आगामी दिनों में मौसम साफ और अनुकूल रहता है, तो मंडी में प्याज की आवक के नए रिकॉर्ड बन सकते हैं।

एंबुलेंस कीचड़ में फंसी, गर्भवती को लेने जा रही थी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● कोठा बुजुर्ग से उमरखली रोड पर बनी वैकल्पिक पुलिया पर मंगलवार को एक एंबुलेंस कीचड़ में फंस गई। उसे बाहर निकालने में करीब तीन घंटे लग गए। इस दौरान एक गर्भवती महिला की इमरजेंसी कॉल भी निरस्त करनी पड़ी। इसके बाद महिला को परिजन निजी वाहन से अस्पताल लेकर गए। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर की मदद से एंबुलेंस को कीचड़ से बाहर निकाला। एंबुलेंस पायलट राहुल मंडलोई ने बताया कि वह मरीज को छोड़कर लौट रहे थे। कीचड़ में फंसने के दौरान एंबुलेंस की क्लच प्लेट और अन्य पार्ट्स भी टूट गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब 20 दिन पहले पुरानी पुलिया की खुदाई की गई थी।

इसके बाद से निर्माण कार्य बंद पड़ा है। इसी वजह से वैकल्पिक मार्ग से आवाजाही हो रही है। बारिश के कारण यह रास्ता कीचड़ में बदल गया है। यहां वाहन लगातार फंस रहे हैं और क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से जुड़े 10 से अधिक गांवों के लोग परेशानी झेल रहे हैं। यात्री बसों का संचालन भी बंद हो गया है, जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

मांडू में पांचवीं बार सूखा जून, अल नीनो के प्रभाव से कमजोर पड़ा मानसून

दैनिक इंदौर संकेत

मांडू ● मांडू और आसपास के इलाकों में मानसून की दस्तक के बावजूद अल नीनो के असर के चलते इस बार जून का महीना सूखा बीत गया। जुलाई के पहले हफ्ते में भी बारिश न होने से खेती-किसानी और भूजल स्तर पर बुरा असर पड़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, मौसम विभाग के रिकॉर्ड (वर्ष 1901) से लेकर पिछले 125 सालों में यह पांचवीं बार है जब जून के महीने में सामान्य से 50 प्रतिशत से भी कम वर्षा दर्ज की गई है।

सूख गए तालाब और बावड़ियां – कम बारिश का सबसे बड़ा झटका मांडू के जल स्तर और ऐतिहासिक धरोहरों को लगा है। मांडू की जल संरचनाओं से जुड़े 700 से अधिक कुएं-बावड़ी और 16 ऐतिहासिक तालाबों की मिट्टी तक अभी ठीक से गीली नहीं हो पाई है। सैलानियों के आकर्षण का केंद्र रहने वाले प्रसिद्ध सागर तालाब और मूंज तालाब इस मानसूनी सीजन में भी पूरी तरह सूखे पड़े हैं।

मांडू और इसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग आधी कृषि भूमि बारिश पर निर्भर है। मानसून के दगा देने से खरीफ की मुख्य फसलों जैसे- धान, मक्का, कपास और सोयाबीन की बुवाई का काम पूरी तरह अटक गया है। जिन किसानों के पास कुएं या ट्यूबवेल हैं, वे तो किसी तरह सिंचाई कर रहे हैं, लेकिन गरीब और असिंचित भूमि वाले किसानों के सामने आजीविका का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

मानसून आने पर भी जून जैसी उमस, 38 डिग्री पहुंचा पारा

हैरत की बात यह है कि मांडू में अब तक चार बार हल्की से तेज बारिश हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद तापमान में कोई गिरावट नहीं आई है। हवा में नमी के कारण उमस और ज्यादा बढ़ गई है। क्षेत्र में दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है, जिससे दोपहर के समय जून जैसी तपिश का अहसास हो रहा है।

जुलाई की बारिश पर टिकी उम्मीदें – मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल आगे भी भारी बारिश के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। चूंकि जुलाई का महीना मांडू में सबसे ज्यादा मानसूनी बारिश वाला होता है, इसलिए अब किसानों और आम जनता की उम्मीदें जुलाई के शेष दिनों पर टिकी हैं। अगर इस महीने भी बादल नहीं बरसे, तो क्षेत्र में जल संकट और गहरा सकता है। मांडू के इतिहास पर नजर डालें तो यहां साल 1900 में भीषण अकाल पड़ा था और प्लेग-काला बुखार फैला था। इसके बाद 1905-07, 1909-10, 1935-36, 1943, 1963 और आखिरी बार 1987-88 में भी कम बारिश के चलते सूखे के हालात बने थे।

अस्पताल में मौसमी बीमारियों से मरीजों की भीड़, ड्यूटी डॉक्टर गायब

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● बाग अस्पताल के नए भवन में मंगलवार को मौसमी बीमारियों के कारण इलाज कराने आए मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान अस्पताल में तैनात ड्यूटी डॉक्टर अपनी सीट से गायब मिले, जिससे दूर-दराज से आए मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऐन वक्त पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के डॉक्टर मगनसिंह अलावा ने मरीजों का इलाज किया। अस्पताल की इस बदहाली पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने गहरा गुस्सा जताया है। मंगलवार को

अस्पताल की ओपीडी में 150 से अधिक मरीज अपना इलाज कराने पहुंचे थे। आदिवासी बहुल बाग ब्लॉक में स्वास्थ्य सुविधाओं की इस लचर स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नए बीएमओ पर खराब मैनेजमेंट का आरोप लगाते हुए सीधे कलेक्टर से मामले की शिकायत कर दी है। इस पूरी अव्यवस्था को लेकर जब नए बीएमओ डॉ. नितिन श्रीवास्तव से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि मंगलवार को डॉ. एच.एस. मुवेल की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन वे बिना किसी सूचना या छुट्टी के गायब रहे। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि उन्हें खुद फील्ड के काम से बाहर जाना था। उन्होंने यह भी दलील दी कि किसी इमरजेंसी की स्थिति में डॉ. मयंक राजपूत को बुलाया जा सकता था, जो अपनी नाइट ड्यूटी खत्म करने के बाद घर पर आराम कर रहे थे। दूसरी तरफ, ड्यूटी डॉक्टर एच.एस. मुवेल ने बीएमओ के दावों को झूठा बताते हुए कहा कि उन्होंने सोमवार और मंगलवार की छुट्टी के लिए बकायदा आवेदन दिया था और इसकी मौखिक जानकारी भी बीएमओ को दी थी। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि जब बाग अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं था, तो बीएमओ को अखाड़ा के डॉ. महिपाल सोलंकी की ड्यूटी ओपीडी में लगा देनी चाहिए थी।

23 जुलाई से शुरु होंगे राष्ट्रमंडल खेल, मीराबाई चानू पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।यह साल 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मीराबाई चानू अब पूरी तरह से अपनी चोट से उबरने और ग्लासगो व आइची-नागोया (में होने वाले बड़े मुकाबलों के लिए अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेंगी, ताकि वह एक बार फिर भारत को गौरवान्वित कर सकें।

बेल्जियम से हारकर मेजबान अमरीका बाहर

सिएटल (एजेंसी) • फीफा वर्ल्ड कप मैच में अमरीका ने बेल्जियम ने 4-1 के बड़े अंतर से हराया। सिएटल स्टेडियम में मेजबान अमरीका पर डिफेंस की गलतियां भारी पड़ी। बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने डबल गोल किए। उन्होंने एक गोल करने में मदद भी की। 57वें मिनट में गोलकीपर मैट फ्रीज की बड़ी गलती मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुई। बेल्जियम ने मैच के 8वें मिनट में बढ़त बना ली। यहां चार्ल्स डी केटेलारे ने अमरीकी डिफेंस की उलझन का फायदा उठाते हुए आसान गोल किया। 31वें मिनट में ब्रैंडन मेखेले ने फोलारिन बालोगुन को फाउल किया। इस पर अमरीका को फ्री-किक मिली। मलिक टिलमैन की फ्री-किक बेल्जियम के खिलाड़ी से डिफ्लेक्ट होकर गोल में चली गई और स्कोर 1-1 हो गया। हालांकि, अमरीका की खुशी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। 67वें मिनट में मैदान पर उतरे रोमेलु लुकाकू ने अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट (90+3) में अमरीका की एक और गलती का फायदा उठाते हुए चौथा गोल दाग दिया और बेल्जियम की 4-1 की जीत पक्की कर दी।

रोनाल्डो का विश्वकप जीतने का सपना अधूरा रह गया

डलास (एजेंसी) • स्पेन के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में 1-0 से मिली हार के साथ ही पुर्तगाल की टीम फीफा विश्वकप फुटबॉल से बाहर हो गयी। इसी के साथ ही पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी और कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्वकप जीतने का सपना हमेशा के लिए टूट गया। इसका कारण है कि रोनाल्डो की उम्र 41 के करीब है और उन्होंने कहा था कि अगले विश्वकप में उनके खेलने की कोई संभावनाएं नहीं है। स्पेन के खिलाफ हार के बाद रोनाल्डो ने भी पुष्टि की है कि यह उनके करियर का अंतिम विश्व कप था हालांकि उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का अभी उनका कोई इरादा नहीं है। स्पेन के खिलाफ मुकाबले में तय समय तक दोनो ही टीमें बराबरी पर थीं। वहीं दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में स्पेन के स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने एक गोल कर पुर्तगाल को बाहर कर दिया। हार के बाद रोनाल्डो हताश दिखे। उन्होंने माना है कि इस तरह हार के साथ ही अपने अंतिम विश्व कप से विदाई लेना उनके लिए बेहद दुखद है।

रोनाल्डो ने कहा, इस तरह विश्व कप से बाहर होने से निराशहै। मैंने अपना सब कुछ दिया, अपनी तरफ से पूरी कोशिश की पर असफल रहा। यह मेरा अंतिम विश्व कप था अब मेरे पास सोचने और अपने परिवार के साथ समय बिताने का समय होगा। मैं जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करूंगा।

लॉक अप: सच या सज़ा में कंगना ने फराह और रितेश के दमदार जेलर वाले अंदाज की तारीफ की

मुंबई (एजेंसी) • लॉक अप: सच या सज़ा में ड्रामा बढ़ता ही जा रहा है। जजमेंट डे एपिसोड में कंगना रनौत ज्यूरी के रूप में 'जनता की आवाज' बनकर पहुँचीं। सख्त जेलर, फराह खान और रितेश देशमुख लगातार इनमेट्स की जवाबदेही तय कर रहे हैं और किसी भी झूठ या बहानेबाजी को टिकने नहीं दे रहे हैं। ऐसे में कंगना की एंट्री ने रोमांच को और भी बढ़ा दिया है। फराह खान का ट्रेडमार्क सख्त प्यार और तेज नजर के कारण इनमेट्स हर पल सतर्क हैं, वहीं रितेश देशमुख का शांत पर दबंग अंदाज किसी भी इनमेट को अपने कामों के लिए जवाबदेही से बचने नहीं दे रहा है। इन दोनों ने मिलकर लॉक अप को एक ऐसी जगह बना दिया है, जहाँ ईमानदारी का इनाम मिलता है और धोखे की कीमत चुकानी पड़ती है। जेलर के रूप में फराह और रितेश के जबरदस्त अंदाज की तारीफ करते हुए कंगना रनौत ने कहा, ''फराह और रितेश ने वही दबदबा बनाया है, जिसकी इस लॉक अप को ज़रूरत है। वो निष्पक्ष हैं, निडर हैं और इनमेट्स को उनकी गलतियों पर टोकने में कभी कोई समझौता नहीं करते। आज मैं यहाँ इसे एक कदम और आगे ले जाने के लिए 'जनता की आवाज' बनकर आई हूँ। दर्शक हर मूव को देख रहे हैं। अब समय है उनकी आवाज सुनने का। यकीन कीजिए कि आज रात का एपिसोड सुर्खियों में होगा।'' जेलर किसी को भी रियायत देने को तैयार नहीं। लॉक अप: सच या सज़ा इनमेट्स के टकरावों, कड़वी सच्चाईयों और जबरदस्त ट्विस्ट्स से बचते हुए उनके आगे बढ़ते जाने का सफर है।

विदेश में रहना है तो संवाद को बेहतर बनाना होगा: सना सईद

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री सना सईद ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी अपनी शुरुआती कठिनाइयों का एक मार्मिक अनुभव साझा किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने 2016 में अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों की एक दिलचस्प घटना बताई। सना ने बताया, साल 2016 में मैं पहली बार अपनी पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने अनुभव को विस्तार से बताते हुए कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और साधारण सा पानी मांग रही थी, लेकिन मेरे उच्चारण के कारण वेटर समझ ही नहीं पाया। मैंने कई बार वॉटर कहा, लेकिन वह मुझे सोडा या कोक जैसी अन्य चीजें पेश करता रहा। उस दिन सना को गहरा एहसास हुआ कि यदि उन्हें अमेरिका जैसे देश में अपनी जिंदगी और करियर को आगे बढ़ाना है, तो उन्हें अपने संवाद के तरीके को बेहतर बनाना होगा, क्योंकि यहां सुना जाना ही सबसे जरूरी है। इसके बाद सना ने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर विशेष ध्यान देना शुरू किया। उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्होंने बाकायदा प्रशिक्षण भी लिया। सना ने इस प्रक्रिया को आसान नहीं बताया। उनके अनुसार, किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के लहजे के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है, जिसमें बहुत समय, अथक मेहनत और लगातार अभ्यास की आवश्यकता होती है।

उज्जैन संभाग

महापौर ने किया रामघाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • रामघाट मार्ग पर चल रहे चौड़ीकरण कार्य का सोमवार को महापौर मुकेश टटवाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्य से जुड़े ठेकेदार को निर्देश दिए कि बाबा महाकाल की सवारी से पहले काम पूरा किया जाए और सभी कार्य सावधानी के साथ संपादित किए जाएं। उन्होंने मार्ग पर मौजूद जर्जर मकानों को हटाने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य सत्यनारायण चौहान, कैलाश प्रजापत, सहायक यंत्री निर्झर शुक्ला तथा संबंधित ठेकेदार मौजूद थे।

ईडब्ल्यूएस आवासीय इकाई निर्माण के लिए तीन ठेकेदारों ने दिखाई रुचि, टेंडर का परीक्षण हो रहा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • चौबीस खंभा मंदिर से छोटा रुद्रसागर तक और गौतम मार्ग से तिलकेश्वर मार्ग तक चौड़ीकरण कार्य के लिए दो-दो टेंडर आए हैं। इनके अलावा पंवासा में ईडब्ल्यूएस आवासीय इकाई निर्माण के लिए भी तीन ठेकेदारों ने रुचि दिखाई है। सिंहस्थ की तैयारियों के क्रम में शहर में कई मार्गों के चौड़ीकरण हो रहे हैं। कुछ नए मार्गों के विस्तार भी किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम ने इन प्रोजेक्ट के लिए टेंडर आमंत्रित किए थे। सिंहस्थ सेल के पवन सिंह ने बताया कि तीनों प्रोजेक्ट के लिए ठेकेदारों ने रुचि दिखाई है। परीक्षण चल रहा है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही मौके पर काम होता दिखाई देगा। पेशवाई और स्नान के वक्त भीड़ प्रबंधन में काम आएंगे उक्त दोनों मार्ग सिंहस्थ में पेशवाई व स्नान के वक्त भीड़ प्रबंधन में बहुत काम आएंगे। चूंकि एक मार्ग श्री महाकालेश्वर मंदिर क्षेत्र है तो दूसरा अंकपात क्षेत्र से जुड़ा है। ऐसे में ये दोनों ही मार्ग विशेष व भीड़ वाले दिनों में परिस्थिति अनुसार मुख्य व वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग किए जा सकेंगे। लिहाजा इनका विस्तार जरूरी है। इनमें से चौबीस खंभा से छोटा रुद्रसागर तक का मार्ग तो बेहद ही संकरा है। निगम ने गौंड बस्ती आवासीय इकाई के अधिग्रहण के लिए निवासरत परिवारों को विस्थापित की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। इन परिवारों के विस्थापन के लिए पंवासा की भूमि पर ईडब्ल्यूएस आवासीय इकाई के निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए थे। इसके लिए तीन ठेकेदारों ने रुचि दिखाई है

एमडी ड्रग्स मामले में 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • एमडी ड्रग्स तस्करी के एक मामले में फरार चल रहे 10 हजार के इनामी आरोपी कालू उर्फ करण उर्फ अर्जुन को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच और नीलगंगा थाना पुलिस ने ढाई महीने की तलाश के बाद उसे दबोचा। आरोपी राजीव रत्न कॉलोनी का निवासी है। पुलिस के अनुसार, यह मामला 24 अप्रैल 2026 का है। नीलगंगा थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कच्चा मसानिया स्थित मंदिर के पीछे एक व्यक्ति एमडी ड्रग्स बेचने की फिराक में है। पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर राकेश उर्फ चिना (48 वर्ष) निवासी राजीव रत्न कॉलोनी को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 11 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई थी।इस मामले में जांच के दौरान कालू उर्फ करण उर्फ अर्जुन का नाम भी सामने आया था। वह अवैध ड्रग्स कारोबार में शामिल था, लेकिन पुलिस कार्रवाई से पहले ही फरार हो गया था।

उसकी गिरफ्तारी के लिए उज्जैन पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार का इनाम घोषित किया था। फरार आरोपी की तलाश में क्राइम पुलिस टीम तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के माध्यम से लगातार सूचनाएं जुटा रही थी। इसी दौरान टीम को आरोपी के ठिकाने की सटीक जानकारी मिली। सूचना का सत्यापन कर पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी कालू उर्फ करण उर्फ अर्जुन से पूछताछ की जा रही है। पुलिस एमडी ड्रग्स की सप्लाई चेन, इसके आपूर्तिकर्ता और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में ड्रग्स तस्करी से जुड़े कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

नागदा जनसुनवाई में 12 शिकायतें, चार नगर पालिका के खिलाफ, पटवारियों की मनमानी

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा • मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कुल 12 शिकायतें आईं, जिनमें से 4 अकेले नगर पालिका परिषद नागदा के खिलाफ थीं। नागरिकों ने नपा पर नामांतरण में जानबूझकर देरी करने, कॉलोनियों के डायवर्जन में मनमानी और निर्माण कार्यों में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए। इसके अलावा पटवारियों द्वारा सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर और बाजार में बिना पक्के बिल के धड़ल्ले से स्कूल पुस्तकें बेचने का मामला भी अधिकारियों के सामने प्रमुखता से उठा।

11 साल बाद भी नहीं हुआ प्लॉट का नामांतरण

चंबल सागर कॉलोनी के निवासी शाहिद खान ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बताया कि उन्होंने साल 2015 में आदिनाथ कॉलोनी में एक भूखंड (प्लॉट) खरीदा था। इसके बाद उन्होंने नगर पालिका नियमानुसार तय शुल्क और टैक्स भी जमा कर दिए, लेकिन 11 साल बीत जाने के बाद भी आज तक उनका नामांतरण नहीं किया गया है। पीड़ित ने नपा अधिकारियों पर अनावश्यक रूप से चक्कर कटवाने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। भारतीय किसान यूनियन मंच के प्रदेश अध्यक्ष कवि देवसिंह गुर्जर ने नई कॉलोनियों में भूखंड स्वामियों से अलग-अलग डायवर्जन मांगे जाने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के सामने तर्क रखा कि जब बिल्डर द्वारा पूरी कॉलोनी का संयुक्त डायवर्जन पहले ही स्वीकृत करा लिया गया है, तो नपा द्वारा हर एक प्लॉट धारक से दोबारा डायवर्जन मांगना पूरी तरह अनुचित है। संगठन ने आम जनता को राहत देने के लिए नामांतरण प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की।

निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच की मांग

अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई के साथ-साथ शहर में हुए विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत भी सामने आई। राजेश रघुवंशी ने नगर पालिका के निर्माण कार्यों के संबंध में आवेदन देकर मांग की कि लिंपियर टेक्नो इंजीनियर और यूनिवर्सल डेवलपर्स द्वारा किए गए कार्यों की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। उन्होंने मांग की कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक इन फर्मों का लंबित भुगतान रोका जाए।

पटवारियों पर सीमांकन पंचनामे में हेरफेर का आरोप

उन्हेल निवासी शांतिलाल धाकड़ ने राजस्व विभाग के पटवारियों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने शिकायत में बताया कि जमीन का सीमांकन होने के बाद संबंधित पटवारियों ने पंचनामे में अपने स्तर पर अतिरिक्त टिप्पणियां जोड़ दीं।

सीवरेज चेंबर में जहरीली गैस से सफाईकर्मी की मौत, कर्मचारी को बचाने उतरे दो बेहोश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • पीपली नाका क्षेत्र में मंगलवार सुबह सीवरेज चेंबर की सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जहरीली गैस की चपेट में आने से एक सफाईकर्मी की मौत हो गई, जबकि उसे बचाने के प्रयास में नीचे उतरे दो अन्य कर्मचारी भी बेहोश हो गए। मौके से गुजर रहे पुलिस अधीक्षक की तत्परता और रेस्क्यू टीम की मदद से दोनों कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जानकारी के अनुसार पीपली नाका स्थित सीवरेज चेंबर जाम होने की सूचना पर सुबह करीब 11 बजे टाटा कंपनी के सीवरेज प्रोजेक्ट से जुड़े सफाईकर्मी अशोक, गोपाल डाबी और रमेश चौहान जेटिंग मशीन के साथ सफाई के लिए पहुंचे थे। सबसे पहले अशोक चेंबर में उतरा, लेकिन पैर फिसलने से वह नीचे गिर गया और जहरीली गैस की चपेट में आ गया। उसे बचाने के लिए गोपाल डाबी चेंबर में उतरा, लेकिन वह भी गैस के कारण बेहोश होकर गिर पड़ा। इसके बाद रमेश चौहान दोनों को निकालने के लिए नीचे गया, लेकिन वह भी गैस की वजह से अचेत हो गया। घटना के दौरान काल भैरव मंदिर की ओर जा रहे पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा की नजर मौके पर पड़ी। उन्होंने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और डायल-112, थाना पुलिस, ट्रैफिक पुलिस तथा नगर निगम के कर्मचारियों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। रेस्क्यू टीम ने तीनों कर्मचारियों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक अशोक की मौत हो चुकी थी। वहीं गोपाल डाबी और रमेश चौहान को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर रौशन सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा मौके पर पहुंचे और घायल कर्मचारियों का हालचाल जाना। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि मृतक कर्मचारी के परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी।

मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में हो सकती है तेज बारिश

सुबह से रात तक रुक-रुक कर चला बारिश का दौर, एक ही दिन में तीन डिग्री तक गिरा तापमान

■ मंगलवार को सुबह से रात 8.30 बजे तक 8.4 मिमी बारिश

■ शहर में (319.7 मिमी) 13 इंच बारिश दर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में मंगलवार को सुबह से बारिश का दौर जारी रहा। सुबह कई इलाकों में जहां रिमझिम बारिश हुई तो दिन में धूप भी खिली। दोपहर में फिर कई इलाकों में बारिश हुई तो शाम को शहर के अधिकांश हिस्सों में कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश देखने को मिली। मौसम केंद्र के अनुसार मंगलवार सुबह 8.30 बजे से रात 8.39 बजे तक 8.4 मिमी (13 इंच लगभग) बारिश दर्ज हो चुकी है, आगामी दिनों में भी गरज-चमक के साथ बारिश की उम्मीद बनी हुई है।

सुबह खिली अच्छी धूप-एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र पर पिछले मंगलवार सुबह से रात तक 12 घंटों में 8.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके साथ ही एक जून से अब तक कुल 12.58 इंच (319.7 मिमी) बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से लगभग 5 इंच ज्यादा है। मौसम विभाग ने अभी और अच्छी बारिश की संभावना जताई है। मंगलवार को दिन में हल्की

धूप देखने को मिली। सुबह से रिमझिम का दौर जारी रहा। इस कारण दिन का तापमान 3 डिग्री से ज्यादा गिर गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान 30. 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री कम था। सोमवार को अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक था। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री और एक रात पहले की अपेक्षा 2 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा उत्तर-पूर्वी रही और अधिकतम गिरफ्तार 41 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची।

रात को मध्य क्षेत्र में तेज बारिश-शहर में मंगलवार रात को लगभग एक घंटे तक तेज बारिश देखने को मिली। राजवाड़ा, रीगल तिराहा, रामबाग, जेल रोड सहित आस-पास के इलाकों में तेज बारिश देखने को मिली। इस दौरान पूर्वी क्षेत्र में रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा। वहीं पश्चिम शहर में भी मध्यम गति की बारिश हुई।

हवाई और रेल यातायात पर भी बारिश का असर

इंदौर के हवाई और रेल यातायात पर बारिश का असर देखने को मिला। मुंबई में बारिश के कारण 7 उड़ानें लेट हुई। इसी तरह दौंड एक्सप्रेस ट्रेन को परिवर्तित मार्ग से चलाया गया, जबकि अवंतिका एक्सप्रेस करीब चार घंटे की देरी से रवाना हुई। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार मुंबई से इंदौर आने वाली तीन उड़ानें एक घंटे से लेकर चार घंटे तक विलंब से पहुंचीं। इसका सीधा असर इंदौर से मुंबई और हैदराबाद सहित अन्य सेक्टर की उड़ानों पर भी पड़ा। इंदौर से रवाना होने वाली करीब चार उड़ानें भी अपने तय समय से देर से उड़ान भर सकीं। अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश विमान अपने पिछले सेक्टर से ही विलंब से रवाना हुए थे। ट्रेन की यह हालत बारिश के कारण इंदौर से मुंबई जाने वाली अवंतिका एक्सप्रेस करीब चार घंटे की देरी से चली। वहीं इंदौर-पुणे दौंड एक्सप्रेस को सामान्य मार्ग के बजाय डायवर्ट रूट से संचालित किया गया। ट्रेन को वसई रोड, पनवेल की बजाय सूरत-जलगांव मार्ग से पुणे की ओर रवाना किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मुंबई मंडल में मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। मौसम सामान्य होने के बाद ही रेल और हवाई सेवाएं पूरी तरह सामान्य हो सकेगी।

इंदौर में 50 बिस्तरीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल प्रारंभ किया जाये : मंत्री परमार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर = उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार की अध्यक्षता में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय लोकमान्य नगर इन्दौर की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, विधायक महेन्द्र हार्डिया, संस्थान के प्राचार्य अजीतपाल सिंह सहित सदस्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री परमार ने शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय द्वारा चलायी जा रही विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया और संपूर्ण परिसर का अवलोकन किया। इस मौके पर उन्होंने छात्रों को चिकित्सा सेवा के माध्यम से मरीजों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महाविद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षण हेतु शुरू की गई 100 सीटों के अनुपात में टीचिंग फेकल्टी बढ़ाने हेतु निर्देश दिए।

मंत्री परमार ने कहा कि चिकित्सा सेवा के कार्य परिणाम परख होना चाहिए और जनता में उनका ठीक प्रकार से प्रचार-प्रसार किया जाये।

कांग्रेस नेता मिश्रा का पत्र

चंपत राय को दिया राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान वापस लेने की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राम मंदिर दान राशि विवाद के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से चंपत राय का इस्तीफा मंजूर हो गया है। इसके बाद कांग्रेस प्रवक्ता केके मिश्रा ने

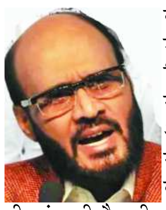

उन्हें इंदौर में दिया गया राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान वापस लेने की मांग की है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से चंपत राय का इस्तीफा मंजूर हो गया है। राम मंदिर की दान राशि और चोरी मामले को लेकर उन पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच अब जनवरी 2025 में इंदौर में उन्हें दिया गया देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार वापस लेने की मांग भी उठने लगी है।

अब सम्मान वापस लिया जाए-मिश्रा ने कहा कि सोमवार को चंपत राय को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की

सुमित्रा महाजन को लिखा मिश्रा ने पत्र

कांग्रेस प्रवक्ता केके मिश्रा ने इस संबंध में पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन उर्फ ताई को पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर दिए गए राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान की गरिमा आज गंभीर प्रश्नों के घेरे में है। मिश्रा ने कहा कि 13 जनवरी 2025 को इंदौर की देवी अहिल्या जन्मोत्सव समिति ने चंपत राय को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख के हाथों यह सम्मान दिलाया था। उनका आरोप है कि चंपत राय को लेकर वित्तीय अनियमितताओं, जमीन की खरीद-बिक्री और चंदे व दानपात्रों से जुड़ी गड़बड़ियों के आरोप सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं।

जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है। ऐसे में उन्हें दिए गए राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान पर भी दोबारा विचार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनकी मांग सम्मान की गरिमा बनाए रखने को लेकर है, क्योंकि यह सम्मान लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के नाम से जुड़ा है। ऐसे सम्मान पर किसी तरह का सवाल नहीं उठना चाहिए। मिश्रा ने अहिल्योत्सव समिति की बैठक बुलाकर इस सम्मान की समीक्षा करने और जरूरत पड़ने पर चंपत राय से सम्मान वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है।

पुरस्कार देते समय भी ली थी आपत्ति

मिश्रा ने पिछले साल जब समिति की बैठक में चंपत राय (ट्रस्ट महासचिव चंपत राय) को सम्मान देने का फैसला लिया गया था, तब भी सुमित्रा महाजन को पत्र लिखकर आपत्ति जताई थी। उस समय भी उन्होंने कहा था कि चंपत राय पर आरोप लगे हैं और ऐसे में उन्हें यह सम्मान (रानी अहिल्याबाई होलकर) दिया जाना उचित नहीं है।

तब ताई ने यह दिया था जवाब

इस पर उस समय सुमित्रा महाजन ने कहा था कि यह सम्मान किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि मंदिर निर्माण और आंदोलन से जुड़े ज्ञात-अज्ञात कारसेवकों के सम्मान के रूप में दिया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि चंपत राय उन सभी के प्रतिनिधि हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि मां अहिल्या ने भी अपने जीवन में लगातार मंदिरों का निर्माण कराया था, इसलिए इसी भावना के तहत यह सम्मान दिया गया।

80 की उम्र में दिग्विजय सिंह ने छोड़ी सक्रिय राजनीति! धर्म रक्षा में जुटेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● 80 साल की उम्र में लिया धर्म रक्षा का बड़ा फैसला। दशहरे पर दिग्विजय सिंह निकालेंगे अयोध्या की यात्रा। नेताओं को नहीं मिलेगा यात्रा में शामिल होने का न्योता। पांच बार विधायक रहे दिग्विजय अब करेंगे धर्म का काम। दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को सक्रिय राजनीति छोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अब वे धर्म रक्षा का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी ने उन्हें सभी बड़े पद दिए हैं। अब वे किसी और को मौका देना चाहते हैं। उन्होंने दशहरे पर अयोध्या यात्रा निकालने की भी घोषणा की।

अब धर्म रक्षा है मकसद-दिग्विजय सिंह ने कहा कि वे सनातन धर्म को अच्छी तरह समझते हैं। साथ ही भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस को भी समझते हैं। उन्होंने कहा कि अब उनका मकसद राजनीति नहीं है। उनका कहना है कि आगे का समय धर्म की रक्षा में लगेगा।

80 साल की उम्र में लिया फैसला-दिग्विजय सिंह ने अपनी उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि वे अब 80 साल के हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी ने उन्हें

पांच बार विधायक बनाया। इसके अलावा उन्हें दो बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा भेजा गया। उनका कहना है कि अब किसी और को यह मौका मिलना चाहिए।

दशहरे पर अयोध्या यात्रा का ऐलान-दिग्विजय सिंह ने घोषणा की कि वे दशहरे के दिन अयोध्या यात्रा शुरू करेंगे। यह यात्रा उनके धर्म रक्षा के नए संकल्प से जुड़ी है। उन्होंने साफ किया कि इस यात्रा का राजनीति से कोई नाता नहीं होगा। यात्रा में किसी भी राजनीतिक नेता को नहीं बुलाया जाएगा।

राजनीतिक हलकों में हलचल-दिग्विजय सिंह का यह बयान कांग्रेस के भीतर और बाहर चर्चा का विषय बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके दिग्विजय सिंह कांग्रेस के बड़े चेहरों में गिने जाते हैं।

एनईपी विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने के लिए डीएवीवी के निर्देश

परीक्षा आवेदन का ऑनलाइन सत्यापन कर अनुमोदन करेंगे सभी महाविद्यालय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों के परीक्षा आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने जारी किए हैं। एनईपी के अंतर्गत बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएचएससी दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष (ऑनर्स) सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों की पूरक परीक्षा जुलाई-अगस्त में प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को निर्धारित समय सीमा में सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पूरी प्रक्रिया है ऑनलाइन-

परीक्षा नियंत्रक के अनुसार परीक्षा फॉर्म भरने और अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है। महाविद्यालय अपने लॉगिन के माध्यम से लिंक पर जाकर विद्यार्थियों के परीक्षा आवेदन पत्रों का सत्यापन और अनुमोदन करेंगे। यदि किसी विद्यार्थी के आवेदन में त्रुटि पाई जाती है तो संबंधित महाविद्यालय उसे सुधारने के बाद ही स्वीकृत करेंगे। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि महाविद्यालय विद्यार्थियों की पात्रता, विषयों व अन्य आवश्यक जानकारियों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करें। यदि किसी प्रकार की गलती के कारण भविष्य में विवाद होता है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय की रहेगी।

यह है शेड्यूल-छात्र की ओर से महाविद्यालय में परीक्षा आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिए 10 जुलाई तक मौका है। 13 जुलाई तक विलंब शुल्क 100 रुपए लगेगा इसके बाद 15 जुलाई तक कुलगुरु की विशेष अनुमति व विलंब शुल्क सहित आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन सत्यापन और अनुमोदन 11 जुलाई तक किया जा सकेगा। विलंब शुल्क सहित 14 जुलाई तक मौका रहेगा। कुलगुरु की विशेष अनुमति व विलंब शुल्क सहित महाविद्यालय 16 जुलाई तक परीक्षा आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। महाविद्यालयों को समय पर सभी औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे परीक्षा कार्यक्रम प्रभावित न हो।

लक्ष्मीबाई नगर से शिफ्ट होगा माल गोदाम

वैकल्पिक स्थान की तलाश के लिए अफसर कर रहे सर्वे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के काम की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है, लेकिन पश्चिम रेलवे अब लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन को विकसित करने की दिशा में बड़ी तैयारी कर रहा है। स्टेशन परिसर में स्थित मालगोदाम और पिट लाइन को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। इससे स्टेशन परिसर में पर्याप्त जमीन उपलब्ध होगी, जिसका उपयोग यात्री सुविधाएं बढ़ाने और नए प्लेटफॉर्म के निर्माण में किया जा सकेगा।

रेलवे के महाप्रबंधक के इंदौर दौरे के समय बैठक में माल गोदाम को शिफ्ट करने का मुद्दा उठा था। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए वैकल्पिक स्थान की तलाश की जा रही है। रेलवे की टीम सर्वे कर रही है और उपयुक्त स्थान तय होने के बाद वहां आधुनिक सुविधाओं वाला नया माल गोदाम विकसित किया जाएगा। वर्तमान

बनेगा नया प्लेटफॉर्म-बैठक में रेलवे के महाप्रबंधक ने माल गोदाम हटने के बाद खाली होने वाली जमीन का उपयोग पिट लाइन स्थानांतरित करने और नया प्लेटफॉर्म बनाने का प्रस्ताव रखा। पिट लाइन शिफ्ट होने के बाद ट्रेनों के मेंटेनेंस की बेहतर व्यवस्था लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन पर ही विकसित की जा सकेगी। नए प्लेटफॉर्म के साथ स्टेशन की दूसरी ओर से भी प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। इससे यात्रियों को निकास की सुविधा मिलने के साथ ही वैकल्पिक पहुंच मार्ग मिलेगा और स्टेशन तक आने-जाने में आसानी होगी। साथ ही एमजी रोड और आसपास के मार्गों पर पडने वाले यातायात के दबाव को कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि सर्वे और तकनीकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद परियोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसके बाद चरणबद्ध तरीके से निर्माण शुरू होगा।

माल गोदाम के कारण मालगाडियों की आवाजाही से आसपास के क्षेत्रों में यातायात पर अनावश्यक दबाव बनता है।

कलेक्ट्रेट में भाजपा पार्षद कालरा के बचाव में फर्जी जाति प्रमाणपत्र का खेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर कलेक्ट्रेट एक बार फिर फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले में घिर गया है। तत्कालीन एसडीएम जूनी इंदौर की भूमिका संदिग्ध हो गई है। मामला बीजेपी पार्षद कमलेश कालरा से जुड़ा है। इसमें छानबीन समिति भी कठघरे में आ गई है। इंदौर कलेक्ट्रेट में बीजेपी नेता और वार्ड 65 के पार्षद कमलेश कालरा के जाति प्रमाणपत्र को सही साबित करने के लिए पेश किए गए दो प्रमाणपत्र अब फर्जी पाए गए हैं।

आरोप है कि एक एसडीएम ने ये दोनों प्रमाणपत्र जारी किए थे। शिकायत के बाद जब मौजूदा एसडीएम ने जांच की तो दोनों प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया गया है।

खास बात यह है कि जिस एसडीएम पर ये प्रमाणपत्र जारी करने के आरोप हैं, उन पर खुद फर्जी प्रमाणपत्र के जरिए नौकरी हासिल करने के आरोप लग चुके हैं। इस मामले को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठ चुके हैं।

एसडीएम ने दोनों प्रमाणपत्र अब रद्द किए-राजानी और चंद्रकुमार (इनका निधन हो गया है) के प्रमाणपत्रों की शिकायत हुई तो इनकी भी जांच हुई। इसमें राजानी ने कहा कि उन्होंने एसडीएम कोर्ट में बयान दिया था कि प्रमाणपत्र के लिए आवेदन ही नहीं किया गया। जूनी इंदौर एसडीएम घनश्याम धनगर ने अब इन दोनों प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया है। जब आवेदन ही नहीं किए गए थे तो फिर एसडीएम मरकाम ने ये प्रमाणपत्र जारी कैसे कर दिए आरोप है कि प्रमाणपत्र के लिए आवेदन 30 सितंबर 2022 को हुआ और उसी दिन प्रमाणपत्र भी जारी कर दिए गए, जबकि सामान्य प्रक्रिया में करीब 30 दिन का समय लगता है।

एमवाय अस्पताल के सामने रोज लग रहा जाम

● 500 मीटर का सफर तय करने में लग रहे 25 से 30 मिनट

● फुटपाथ पर दुकानदारों का कब्जा जाम में फंस रही एंबुलेंस भी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के सबसे व्यस्त चिकित्सा क्षेत्र एमवाय अस्पताल और मधुमिलन चौराहा मार्ग पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हालात ऐसे हैं कि एमवाय अस्पताल से मधुमिलन चौराहे तक पहुंचने में वाहन चालकों को 25 से 30 मिनट तक का समय लग रहा है। रोजाना हजारों मरीज, उनके परिजन, मेडिकल छात्र, अस्पताल कर्मचारी और आम नागरिक इस अव्यवस्था से जूझ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम उठाते नजर नहीं आ रहे हैं।

क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या अवैध पार्किंग की है। मेडिकल दुकानों पर आने वाले लोग अपनी चार पहिया गाड़ियां सड़क किनारे

और कई बार बीच सड़क पर ही खड़ी कर देते हैं। नो पार्किंग क्षेत्र होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से यह स्थिति लगातार बनी हुई है। सड़क का बड़ा हिस्सा वाहनों की पार्किंग में घिर जाता है, जिससे यातायात के लिए उपलब्ध जगह और कम हो जाती है। यहां पर ना तो ट्रैफिक पुलिस का ध्यान जा रहा है और ना ही क्षेत्रिय पार्षद ही इस ओर ध्यान दे रहे हैं जबकि एमवाय अस्पताल के आसपास फुटपाथों पर दुकानदारों का कब्जा है। कई स्थानों पर फुटपाथ पूरी तरह सामान से घिरे हुए हैं, जिससे पैदल चलने वालों के लिए तो सड़क बचती ही नहीं है और उनको भी बीच सड़क पर ही चलना पड़ता है। इससे न केवल दुर्घटना का खतरा बढ़ रहा है, बल्कि वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि छावनी की ओर जाने वाला मार्ग बंद होने के बाद से इस सड़क पर वाहनों का दबाव कई गुना बढ़ गया है। पहले जो यातायात विभिन्न मार्गों से बंट जाता था, वह अब एमवाय अस्पताल और मधुमिलन चौराहे के बीच के मार्ग पर केंद्रित हो गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।